



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 40]
No. 40]

नई दिल्ली, शनिवार, अश्विन 14, 1901
NEW DELHI, SATURDAY, OCTOBER 6, 1979/ASVINA 14, 1901

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रख जा सके ।
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i) PART II—Section 3—Sub-Section (i)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों को छोड़ कर)
केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा विधि के अन्तर्गत बनाए और जारी किए गए साधारण विधि
जिनमें साधारण प्रकार के आदेश, उपनियम आदि सम्मिलित हैं

General Statutory Rules (including orders, bye-laws etc., of a general character) issued by the
Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Central
Authorities (other than the Administrations of Union Territories)

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मन्त्रालय

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS

(विधि कार्य विभाग)

(Department of Legal Affairs)

नई दिल्ली, 18 सितम्बर, 1979

New Delhi, the 18th September, 1979

सा० का० नि० 1227.—केन्द्रीय सरकार, सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 (1908 का 5) की प्रथम अनुसूची के प्रावेश 27 के नियम 8B के खंड (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के भूमपूर्व विधि मंत्रालय (विधि कार्य विभाग) की अधिसूचना सं० सा० का० नि० 1412, तारीख 25 नवम्बर, 1960 में निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात् :—

G.S.R. 1227.—In exercise of the powers conferred by clause (a) of Rule 8B of Order XXVII of the First Schedule to the Code of Civil Procedure, 1908 (5 of 1908), the Central Government hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the late Ministry of Law, (Department of Legal Affairs) No. G.S.R. 1412 dated the 25th November, 1960, namely :—

उक्त अधिसूचना की अनुसूची में, कर्नाटक से संबंधित मद 9 में, उच्च न्यायालय से संबंधित उपमद(क) के सामने, द्वितीय स्तम्भ में विद्यमान प्रविष्टियों के पश्चात् निम्नलिखित प्रविष्टि अंतः स्थापित की जाएगी, अर्थात् :—

In the Schedule to the said notification, in item 9, relating to Karnataka, against sub-item (a) relating to High Court in the second column after the existing entries, the following entry to be inserted, namely:—

“(iii) श्री सी० पी० नन्दीश्वर,
अधिवक्ता,
केन्द्रीय सरकार अपर स्थायी काउन्सेल ।”

“(iii) Shri C. P. Nandeswar,
Advocate,
Additional Central Government Standing Council.”

[सं० फा० 36(6)/79-न्यायिक]

[No. F. 36(6)/79-Judl.]

के० सी० डी० गंगवाणी, अपर विधि मलाहकार

K. C. D. GANGWANI, Additional Legal Adviser

गृह मंत्रालय

नई दिल्ली, 25 मिनम्बर, 1979

सा० का० नि० 1228.—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल अधिनियम, 1949 (1949 का 66) की धारा 18 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल नियम, 1955 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात्:—

1. (1) इन नियमों का नाम केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (संशोधन) नियम, 1979 है।
- (2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
- 2 केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल नियम, 1955 में, नियम 27 क के नीचे सारणी के स्थान पर निम्नलिखित सारणी रखी जाएगी, अर्थात्:—

सारणी

क्रसं०	दंड	सूबेदार (निरीक्षक)	उपनिरीक्षक	कॉन्स्टेबल और सूचीबद्ध अनुचरों की छोड़कर अन्य	कॉन्स्टेबल और सूचीबद्ध अनुचर	टिप्पणियाँ
1	2	3	4	5	6	7
1.	बल से पदच्युति या हटाया जाना।	पुलिस उप महानिरीक्षक	पुलिस उप महानिरीक्षक	कमांडेंट	कमांडेंट	दंड औपचारिक विभागीय जांच के पश्चात् दिया जाएगा।
2.	बेचन, श्रेणी, पद या सेवा के निम्नतर समयमान में करना।	पुलिस उप महानिरीक्षक	पुलिस उप महानिरीक्षक	कमांडेंट	कमांडेंट	
3.	किसी विनिर्दिष्ट अवधि के लिए काल बेचनमान में किसी निम्नतर प्रक्रम में करना।	पुलिस उप महानिरीक्षक	पुलिस उप महानिरीक्षक	कमांडेंट	कमांडेंट	
4.	अनुविधायी सेवानिवृत्ति	पुलिस उप महानिरीक्षक	पुलिस उप महानिरीक्षक	कमांडेंट	कमांडेंट	
5.	एक मास के बेचन और भत्तों से अनधिक कोई रकम जमा करना।	पुलिस उप महानिरीक्षक	पुलिस उप महानिरीक्षक	कमांडेंट	कमांडेंट	
6.	दंड ड्रिल या अनिरीक्त पहरा फटींग या अन्य ड्यूटी सहित या रहित सात दिन से अधिक किन्तु अठ्ठाइस दिन से अधिक के लिए क्वार्टरगार्ड में परिरोध।	—	—	—	कमांडेंट	
7.	बेचनवृद्धि रोकना	पुलिस उप महानिरीक्षक	पुलिस उप महानिरीक्षक	कमांडेंट	कमांडेंट	दंड औपचारिक विभागीय जांच के बिना दिया जा सकेगा।
8.	बल में किसी विनिर्दिष्ट पद या विशेष उपलब्धि से हटाना।	पुलिस उप महानिरीक्षक	पुलिस उप महानिरीक्षक	कमांडेंट	कमांडेंट	
9.	परिनिन्दा करना	कमांडेंट	कमांडेंट	सहायक कमांडेंट या कम्पनी कमांडर	सहायक कमांडेंट या कम्पनी कमांडर	
10.	दंड या अनिरीक्त पहरा फटींग या अन्य ड्यूटी सहित या रहित सात दिन से अधिक के लिए क्वार्टर गार्ड में परिरोध।	—	—	—	कमांडेंट	
11.	एक मास से अधिक की अवधि के लिए क्वार्टर लाइनों, कैम्प में परिरोध, बंड ड्रिल फटींग ड्यूटी आदि।	—	—	—	कमांडेंट	

टिप्पण:—1 जब उप महानिरीक्षक का पद निम्नतर एक मास से अधिक की अवधि के लिए रिक्त रहता है तो, कमांडेंट को सूबेदार (निरीक्षक और उपनिरीक्षक को दंड देने की शक्ति प्राप्त होगी किन्तु उसे बल से पदच्युति या हटाने का आदेश देने की शक्ति प्राप्त नहीं होगी।

2. जब कमांडेंट का पद, पदधारी के मृति पर जाने से या अन्यथा निम्नतर एक मास से अधिक की अवधि के लिए रिक्त रहता है तो, सहायक कमांडेंट, कमांडेंट में निहित दंड देने की शक्तियों का प्रयोग कर सकेगा किन्तु उसे बल से पदच्युति या हटाए जाने का आदेश देने की शक्ति प्राप्त नहीं होगी।

स्पष्टीकरण—बल के सदस्य की पदच्युति उसे सरकारी सेवा में पुनर्नियोजन से प्रवारित करती है, जब कि बल से किसी ऐसे सदस्य का हटाया जाना सरकार के अधीन किसी और नियोजन (केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में नियोजन से भिन्न) के लिए निरर्हता नहीं होगी।

3. विद्यमान नियम 27(ग) (7) का विलोप किया जाना है।

[संख्या आर IX-1/79—प्रशासन-I]

बार्ड० एल० राजवाड़े, निदेशक

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

New Delhi, the 25th September, 1979

G.S.R. 1228.—In exercise of the powers conferred by section 18 of the Central Reserve Police Force Act, 1949 (66 of 1949), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Central Reserve Police Force Rules, 1955 namely :—

1. (1) These rules may be called the Central Reserve Police Force (amendment) Rules, 1979.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Central Reserve Police Force Rules, 1955 for the table below rule 27(a) the following table shall be substituted, namely :—

TABLE

Sl. No.	Punishment	Subedar (Inspector)	Sub-Inspector	Others except Const. & enrolled followers	Const. and enrolled followers	Remarks.
1	2	3	4	5	6	7
1.	Dismissal or removal from the Force.	DIGP	DIGP	Comdt.	Comdt.	To be inflicted after formal departmental enquiry.
2.	Reduction to a lower time-scale of pay, grade, post or service	DIGP	DIGP	Comdt.	Comdt.	
3.	Reduction to a lower stage in the time scale of pay for a specified period.	DIGP	DIGP	Comdt.	Comdt.	
4.	Compulsory retirement.	DIGP	DIGP	Comdt.	Comdt.	
5.	Fine of any amount not exceeding one months' pay and allowances	DIGP	DIGP	Comdt.	Comdt.	
6.	Confinement in the Quarter Guard exceeding seven days but not more than twenty eight days with or without punishment drill or extra guard fatigue or other duty.	—	—	—	Comdt.	
7.	Stoppage of increment	DIGP	DIGP	Comdt.	Comdt.	may be inflicted without a formal departmental enquiry.
8.	Removal from any office of distinction or special emolument in the Force	DIGP	DIGP	Comdt.	Comdt.	
9.	Censure	Comdt.	Comdt.	Comdt. Asstt Comdt. or Coy. Comdr	Comdt. Asstt. Comdt. or Coy. Comdr.	
10.	Confinement to Quarter Guard for not more than seven days with or without punishment or extra guard-fatigue or other duty.	—	—	—	Comdt.	
11.	Confinement to quarters lines camp, punishment drill, fatigue duties etc., for a term not exceeding one month	—	—	—	Comdt.	

Note :—1 When the post of Deputy Inspector General remains unfilled for a period of over one month at a time the Commandant shall exercise the powers of punishing the Subedar (Inspector) and Sub-Inspector except the power of ordering dismissal or removal from the Force.

2. When the post of Commandant remains unfilled for a period of over one month at a time consequent on the incumbent proceeding on leave or otherwise, the Asstt Commandant shall exercise the powers of punishment vested in the Commandant except the powers of ordering dismissal or removal from the Force.

Explanation :— Dismissal of a member of the Force precludes him from being re-employed in Government service, while removal of any such member from the Force shall not be a disqualification for any further employment other than an employment in the Central Reserve Police Force under the Government.

3. The existing rule 27(c) (7) is hereby deleted.

[No. R IX-1/79-Admin-
Y. L. RAJWADA.]

(कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग)

नई दिल्ली, 19 सितम्बर, 1979

सा० फा० नि० 1229. —राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए गृह सचिवालय के कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग में सचिवालय प्रशिक्षण और प्रबंध संस्थान में प्रक्षेपित प्रचालक के पद पर भर्ती की पद्धति को चिन्तित करने वाले निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ :—(1) इन नियमों का नाम सचिवालय प्रशिक्षण और प्रबंध संस्थान (प्रक्षेपित प्रचालक) भर्ती नियम, 1979 है।
(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रचलन होंगे।

2. पद-संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान :—उक्त पद/पदों की संख्या, उसका वर्गीकरण और उसका वेतनमान वे होंगे जो इन नियमों से उपाखण्ड अनुसूची के स्तम्भ 2 से 4 तक में विनिर्दिष्ट हैं।

3. भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा और अर्हताएं, आदि :—उक्त पद पर भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, अर्हताएं और उससे संबंधित अन्य बातें वे होंगी जो उक्त अनुसूची के स्तम्भ 5 से 13 तक में विनिर्दिष्ट हैं।

4. निरर्हताएं :—यह व्यक्ति—

(फ) जिसने ऐसे व्यक्ति से, जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या

(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया हो ;

उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा :

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का समाधान हो जाए कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के अधीन अनुशेष और ऐसा करने के लिए अन्य आधार मौजूद है तो वह किसी व्यक्ति को इन नियमों के प्रवर्तन से छूट दे सकती है।

5. नियम शिथिल करने की शक्ति :—जहां केन्द्रीय सरकार की राय हो कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वहां वह, उसके लिए जो कारण हैं उन्हें लेखबद्ध करके इन नियमों के किसी उपबंध को किसी वर्ग या वर्गों के व्यक्तियों या पदों की बाबत, आदेश द्वारा, शिथिल कर सकती है।

6. व्याख्या :—इन नियमों की कोई भी बात ऐसे धारकणों, आयु-सीमा में छूट और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी, जिनका केन्द्रीय सरकार इन संबंध में समय-समय पर निकाले गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य विशेष प्रबन्धों के व्यक्तियों के लिए उपबंध करता अपेक्षित है।

अनुसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	धन्य पद अथवा अच्ययन पद	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु-सीमा	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए शैक्षिक और अन्य अर्हताएं
1	2	3	4	5	6	7
प्रक्षेपित प्रचालक	एक	साधारण केन्द्रीय सेवा समूह "ग" अराजपत्रित अलिपिकवर्गीय	260-6-326-द०रो०- 8-350 रु०	लागू नहीं होता	18-30 वर्ष के बीच (सरकारी सेवकों के मामले में शिथिल करके 35 वर्ष तक की जा सकती है) टिप्पण : भर्ती नियम के स्तम्भ 6 में उल्लिखित आयु सीमा अवधारित करने के लिए निर्णायक तारीख प्रत्येक मामले में, भारत में रहने वाले अभ्यर्थियों से (उनसे भिन्न जो घन्दमान और निकोबार द्वीप समूह तथा लक्षद्वीप में रहते हैं) आवेदन प्राप्त करने के लिए नियत की गई	आवश्यक : (1) अंग्रेजी और हिन्दी भाषाओं का कार्य साधक ज्ञान। (2) जिसके पास (कम से कम 16 मि० मी०) वाली खलवित प्रक्षेपित मशीन को संभालने और प्रचालित करने के लिए दिल्ली प्रशासन द्वारा दिल्ली खलवित नियम, 1953 के नियम 38 के अधीन जारी किया गया प्रमाणपत्र हो और दिल्ली खलवित नियम, 1953 के नियम 38(2) के अधीन अपेक्षित ज्ञान भी हो। (3) (16 मि०मी० या 35 मि०मी०) वाले प्रक्षेपितों को, अधिमानतः किसी प्रशिक्षण संस्थान में चलाने में कम से कम 2 वर्ष का अनुभव।

1	2	3	4	5	6	7
					अंतिम तारीख होगी। ऐसे पदों की बाबत, जिन पर नियुक्ति रोजगार कार्यालय के माध्यम से की जाती है, आयु सीमा प्रवर्धित करने की निर्णायक तारीख, प्रत्येक मामले में, बहु तारीख होगी जिस तक रोजगार कार्यालय से नाम सेजने के लिए कहा गया है।	
सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित आयु और शैक्षिक अर्हताएं प्रोन्नति की दशा में लागू होंगी या नहीं	परिक्षा की अवधि यदि कोई हो	भर्ती की पद्धति : भर्ती सीधे होगी या प्रोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/ स्थानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों की प्रतिगणना।	प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की दशा में वे श्रेणियां जिनसे प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति स्था- नान्तरण किया जाएगा।	यदि विभागीय प्रोन्नति समिति है तो उसकी संरचना	भर्ती करने में किन परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाएगा।	
8	9	10	11	12	13	
लागू नहीं होता	2 वर्ष	सीधी भर्ती द्वारा	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	

[सं० 12018/1/79-आई० एस० टी० एस०]

एन० एस० शंकरन, डेस्क अधिकारी

(Department of Personnel and Administrative Reforms)

New Delhi, the 19th September, 1979

G.S.R. 1229.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the methods of recruitment to the post of Projector Operator in the Institute of Secretariat Training and Management, Department of Personnel and Administrative Reforms, Ministry of Home Affairs, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Institute of Secretariat Training and Management (Projector Operator) Recruitment Rules, 1979.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Officer Gazette.

2. Number, classification and scale of pay.—The number of the said post, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed to these rules.

3. Method of recruitment, age limit and other qualifications.—The method of recruitment, age limit, qualifications and other matters relating to the said post shall be as specified in columns 5 to 13 of the said Schedule.

4. Disqualifications.—No person,—

- who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or
- who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to the said post :

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax.—Where the Central Government is of the opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Saving.—Nothing in these rules shall effect reservations, relaxation of age limit, and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

Name of Post	No. of posts	Classification	Scale of Pay	Whether Selection post of Non-Selection post	Age limit for direct recruits	Educational and other qualifications required for direct recruits.
1	2	3	4	5	6	7
Project Operator	One	General Central Service Group 'C' Non-Gazetted-Non-ministerial	Rs. 260-6-326-EB-8-350.	Not applicable	Between 18—30 years (Relaxable upto 35 years in case of Government servants) Note : The crucial date for determining the age limit mentioned in Column 6 of the Recruitment Rules will in each case be the closing date for receipt of applications from candidates in India (Other than Andaman and Nicobar Islands and Lskshadweep). In respect of posts, the appointments to which are made through the employment exchanges, the crucial date for determining the age limit will, in each case, be the last date up to which the employment exchanges are asked to submit the names.	Essential : (i) Working knowledge of English and Hindi Languages; (ii) Possession of a certificate issued by Delhi Administration under rule 38 of the Delhi Cinematograph Rules 1953 to handle and operate cinematograph (at least 16 mm) projector machine and also possession of the knowledge required under rule 38(2) of the Delhi Cinematograph Rules, 1953. (iii) A minimum of 2 years' experience in running projectors (16 mm of 35 mm)-preferably in a training institution.
Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees.	Period of probation, if any.	Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion or by deputation/transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods.	In case of recruitment by promotion/deputation/transfer, grades from which promotion/deputation/transfer to be made.	If a departmental Promotion Committee exists what is its composition	Circumstances in which Union Public Service Commission is to be consulted in making recruitment.	
9	10	11	12	13		
Not applicable	Two years	By direct recruitment	Not applicable	Not applicable	Not applicable	

[No. A-12018/1/79-I.S.T.M].

N. S. SANKARAN, Desk Officer

नई दिल्ली, 21 सितम्बर, 1979

New Delhi, the 21st September, 1979

सं० का० वि० 1230.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 318 के खण्ड (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, संघ लोक सेवा आयोग (सदस्य) विनियम 1969 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित विनियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. (1) इन विनियमों का नाम संघ लोक सेवा आयोग (सदस्य) तृतीय संशोधन विनियम, 1979 है।

(2) ये 1 दिसम्बर, 1978 को प्रवृत्त हुए समझे जाएंगे।

2. संघ लोक सेवा आयोग (सदस्य) विनियम, 1969 के विनियम 4 के पश्चात् निम्नलिखित विनियम अंतः स्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“4क. अध्यक्ष और अन्य सदस्य ऐसी दरों पर महंगाई भत्ता और अतिरिक्त महंगाई प्राप्त करेंगे, जो भारत सरकार के क्रमशः सचिवों और अपर सचिवों के संबंध में समय-समय पर लागू होती है।”

3. एक स्पष्टीकारक आपन संलग्न है।

[सं० 39025/4/79-स्थापना (ख)]

सी० बालकृष्णन, डेस्क अधिकारी

व्याख्यात्मक आपन

संघ लोक सेवा आयोग (सदस्य) विनियमावली, 1969, सितम्बर, 1969 में प्रख्यापित की गई थी और अन्य बातों के साथ-साथ आयोग के अध्यक्ष और सदस्यों के वेतन इस विनियमावली के विनियम 4 के अनुसार क्रमशः 3500 रुपए तथा 3,000 रुपए नियत किए गए थे। सितम्बर, 1976 में एक संशोधन जारी किया गया था जिसके आधार पर सदस्यों का वेतन संशोधित करके 3,000 रुपए से 3,250 रुपए मासिक कर दिया गया था। संबंधित विनियमों में अध्यक्ष अथवा सदस्यों को महंगाई भत्ते अथवा अतिरिक्त महंगाई भत्ते के भुगतान का कोई उल्लेख नहीं किया गया था।

2. किन्तु जब अप्रैल, 1979 में पहली दिसम्बर, 1978 से महंगाई भत्ते और अतिरिक्त महंगाई भत्ते का लाभ सरकार के उन वरिष्ठ अधिकारियों को जिनके वेतन संघ लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष और सदस्यों के समान थे, दिए जाने के सम्बन्ध में सरकारी आदेश जारी किए गए थे, तब आयोग ने सरकार को एक प्रस्ताव भेजा कि उक्त आदेश आयोग के अध्यक्ष और सदस्यों पर भी लागू किए जाएं।

3. इसके बाद मामले की जांच की गई और यह निर्णय लिया गया है कि महंगाई भत्ता और अतिरिक्त महंगाई भत्ता, जिसकी कुल राशि 150 रुपए प्रतिमास है और जो भारत सरकार के सचिवों और अपर सचिवों को पहली दिसम्बर, 1978 से दी जा रही है वह संघ लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष और सदस्यों को भी दी जाए। इस निर्णय को ध्यान में रखते हुए संघ लोक सेवा आयोग (सदस्य) विनियमावली, 1969 में संशोधन करना और एक नया विनियम (4क) जोड़ना आवश्यक हो गया है। इस संशोधन को पहली दिसम्बर, 1978 से लागू किया जा रहा है जिससे कि भारत सरकार के सचिवों और अपर सचिवों के साथ जिनके मामले में यह लाभ पहली दिसम्बर, 1978 से दिया गया था, संघ लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष और सदस्यों को भी मिल सके।

4. विनियम 4क को भूतलक्षी प्रभाव दिए जाने से आयोग के अध्यक्ष या किसी भी सदस्य पर इस का प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

G.S.R. 1230.—In exercise of the powers conferred by clause (a) of article 318 of the Constitution, the President hereby makes the following regulations further to amend the Union Public Service Commission (Members) Regulations, 1969, namely:—

1. (1) These regulations may be called the Union Public Service Commission (Members) Third Amendment Regulations, 1979 ;

(2) They shall be deemed to have come into force on the 1st day of December, 1978.

2. After regulation 4 of the Union Public Service Commission (Members) Regulations, 1969, the following regulation shall be inserted, namely :—

“4-A. The Chairman and other members shall receive Dearness Allowance and Additional Dearness Allowance at the rates applicable from time to time to Secretaries and Additional Secretaries respectively to the Government of India.

3. An explanatory memorandum is appended.

[No. 39025/4/79-Estt.(B)]

C. BALAKRISHNAN, Desk Officer

EXPLANATORY MEMORANDUM

The Union Public Service Commission (Member) Regulations, 1969, were promulgated in September, 1969, and among other things, the salaries of the Chairman and Members were fixed, in terms of Regulation 4 thereof at Rs. 3500 and Rs. 3000 respectively. An amendment was issued in September 1976 revising the salary of Members from Rs. 3000 to Rs. 3250 per month. The regulations in question did not make any reference to the payment of Dearness Allowance or Additional Dearness Allowance to the Chairman or Members.

2. However, when in April, 1979, Government orders were issued extending the benefit of Dearness Allowance and Additional Dearness Allowance to senior officers in Government drawing salaries similar to those of Chairman and Members of the Union Public Service Commission with effect from the 1st December, 1978, Government received a proposal from the commission for extending these orders to the Chairman and Members also.

3. The matter was thereafter examined and it has been decided that the Dearness Allowance and Additional Dearness Allowance, totalling Rs. 150 per month, made payable with effect from the 1st December, 1978, to the Secretaries and Additional Secretaries to the Government of India, may be allowed to the Chairman and Members of the Union Public Service Commission. In view of this decision it has become necessary to amend the Union Public Service Commission (Members) Regulations, 1969, and to insert a new Regulation (4-A). The amendment is being given effect from the 1st December, 1978 so that the Chairman and Members of the Union Public Service Commission may get these benefits along with the Secretaries and Additional Secretaries to the Government of India, in whose cases also the benefit was allowed from 1st December, 1978.

4. No Member of the Commission, or the Chairman, will be adversely affected as a result of retrospective effect being given to Regulation 4-A.

वित्त मंत्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

नई दिल्ली, 6 अगस्त, 1979

सां०कां०नि० 1231. संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत के राष्ट्रपति एतद्वारा वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग (बैंक नोट प्रेस, देवास, श्रेणी III के पद) भर्ती नियमावली, 1975 में और आगे संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

(1) इन नियमों को वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग (बैंक नोट प्रेस, देवास, श्रेणी III के पद) भर्ती (घोषा संशोधन) नियमावली, 1979 कहा जाएगा।

(2) ये नियम सरकारी राजपत्र में इनके प्रकाशन की तारीख से लागू होंगे।

2. वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग (बैंक नोट प्रेस, देवास, श्रेणी III के पद) भर्ती नियमावली, 1975 की अनुसूची में क्रम संख्या 29 तथा उससे संबंधित प्रविष्टियों के पश्चात् निम्नलिखित लिखा जाएगा, अर्थात् :—

1	2	3	4	5	6	7	8
"29ए"	कनिष्ठ हिन्दी अनुवादक।	2	सामान्य केन्द्रीय सेवा, समूह 'ग' (अराज-पत्रित) (सचिबीय)	380-12-440-४०- १००-15-560- ६०१०-20-640।	प्रवरण	30 वर्ष (सरकारी कर्मचारी के मामले में 35 वर्ष तक छूट दी जा सकती है)	अनिवार्य : (1) किसी मान्यता प्राप्त विश्व-विद्यालय से हिन्दी तथा अंग्रेजी इलेक्टिव विषयों सहित स्नातक। (2) केन्द्रीय सरकार/राज्य सरकार या किसी प्रसिद्ध औद्योगिक कंपनी में अंग्रेजी से हिन्दी तथा हिन्दी से अंग्रेजी में अनुवाद करने का कम-से-कम एक वर्ष का अनुभव। (3) राजभाषा अधिनियम 1963 (1963 का 19वां) तथा उसके अन्तर्गत बनाये गए नियमों की जानकारी। वांछनीय : विज्ञान का ज्ञान।

9	10	11	12	13	14
आयु : जी नहीं शैक्षणिक अर्हता : जी, हां।	दो वर्ष	पदोन्नति जिसके ल होने पर सीधी भर्ती द्वारा।	पदोन्नति : उन स्नातक उच्च श्रेणी लिपिकों में से जिनकी पद क्रम में 2 वर्षों की सेवा हो अथवा उन निम्न श्रेणी के लिपिकों अथवा हिन्दी टाइपिस्टों में से चुनाव के द्वारा जिनकी पद-क्रम में 5 वर्षों की सेवा हो तथा जिन्हें हिन्दी से अंग्रेजी और अंग्रेजी से हिन्दी में अनुवाद करने का अनुभव हो।	विभागीय पदोन्नति समिति समूह 'ग' जिसमें ये शामिल होंगे :— 1. महा प्रबन्धक—अध्यक्ष 2. उप-महा प्रबन्धक—सदस्य 3. वरिष्ठ मैनेजर/मुख्य रसा-यनज्ञ—सदस्य। 4. मुख्य लेखा तथा प्रशास-निक अधिकारी—सदस्य। 5. समूह 'क' का राज-पत्रित अधिकारी अथवा जो यदि वह अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जन जातियों में से हो) —सदस्य। 6. आर्थिक कार्य विभाग का प्रतिनिधित्व करने वाला राजपत्रित अधिकारी अथवा अवर सचिव से ऊपर के पद का अधि-कारी—प्रेक्षक	लागू नहीं होता

1	2	3	4	5	6	7	8
29ख. हिन्दी टाइपिस्ट	2	सामान्य केंद्रीय सेवा, समूह 'ग' (अराज-पन्नित) (संविधीय)	260-6-290-ब०रो०-6-326-8-366-द०रो०-8-390-10-400 रु०	लागू नहीं होता	25 वर्ष (सरकारी कर्मचारियों के मामले में 30 वर्ष तक की छूट)	अनिवार्यः (क) मान्यता प्राप्त बोर्ड से मैट्रिक प्रथवा उच्चतर माध्यमिक। (ख) हिन्दी टाइप में 30 शब्द प्रति मिनट टाइप कर सकता हो।	
						षोडशीयः	
						अंग्रेजी टाइप जानता हो।	

9	10	11	12	13	14
लागू नहीं होता	दो वर्ष	सीधी भर्ती	लागू नहीं होता	विभागीय पत्राक्षति समिति समूह 'ग' में निम्नलिखित सदस्य होंगे :—	लागू नहीं होता
				1. जनरल मैनेजर—अध्यक्ष	
				2. डेप्युटी जनरल मैनेजर—सदस्य।	
				3. बक्स मैनेजर/मुख्य रसायनज्ञ—सदस्य।	
				4. मुख्य लेखा तथा प्रशासनिक अधिकारी—सदस्य।	
				5. एक राजपन्नित अधिकारी समूह 'ग' (अच्छा हो यदि वह अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों का प्रतिनिधित्व करता हो—सदस्य।	
				6. एक राजपन्नित अधिकारी प्रथवा धवर सचिव से बड़ा अधिकारी जो प्राथमिक कार्य विभाग का प्रतिनिधित्व करता हो—प्रेक्षक।”	

[सं० एक० 4(39)/77-बी०एन०पी०]

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

New Delhi, the 6th August, 1979

G.S.R. :1231.....In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs (Bank Note Press, Dewas, Class posts) Recruitment Rules, 1975, namely :—

1. (1) These rules may be called the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs (Bank Note Press, Dewas, Class III posts) Recruitment (4th Amendment) Rules, 1979.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Schedule to the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs (Bank Note Press, Dewas, Class III posts) Recruitment Rules, 1975, after serial No. 29 and the entries relating thereto, the following shall be inserted, namely:—

1	2	3	4	5	6	7	8
"29A.	Junior Hindi Translator	2	General Central Service Group 'C' (Non-Gazetted) (Ministerial)	Rs. 380-12-440-EB-15-560-EB-20-640	Selection	30 years (relaxable upto 35 years in the case of Government servants)	Essential : (1) Graduate, with Hindi and English as elective subjects, from a recognised University. (2) At least one year's experience of translation from English to Hindi and vice-versa in Central Government/State Government or in a reputed industrial concern. (3) Knowledge of the Official Languages Act 1963 (19 of 1963) and the rules made thereunder. Desirable : A background of Science.

9	10	11	12	13	14
Age : No Educational : Yes qualification	Two years	Promotion failing which by direct recruitment.	Promotion : By selection among the Graduate Upper division clerks with 2 year's service in the grade and Lower Division Clerks or Hindi Typists with 5 year's service in the grade with experience of doing translation work from Hindi to English and Vice-Versa.	Departmental Promotion Committee Group 'C' comprising of:— (i) General Manager —Chairman (ii) Deputy General Manager—Member (iii) Works Manager/Chief Chemist —Member (iv) Chief Accounts and Administrative Officer —Member (v) A Gazetted Officer Group 'A' preferably belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes—Member (vi) A Gazetted Officer of or above the rank of under Secretary representing the Department of Economic Affairs.—Observer	Not applicable

1	2	3	4	5	6	7	8
29B.	Hindi Typist	2	General Central Service Group 'C' (Non-Gazetted) (Ministerial)	Rs. 260-6-290-EB-6-326-8-366-EB-8-390-10-400.	Not applicable.	25 years (relaxable upto 30 years in the case of Government servants).	Essential : (a) Matriculation or Higher Secondary from a recognised Board. (b) Possessing typing speed of at least 30 Words per minute in Hindi typing. Desirable : Knowledge of English Typing.

9	10	11	12	13	14
Not applicable	Two years	Direct recruitment	Not applicable.	Departmental Promotion Committee Group 'C' comprising of— (i) General Manager —Chairman (ii) Deputy General Manager —Member (iii) Works Manager/Chief Chemist —Member (iv) Chief Accounts and Administrative Officer —Member (v) A Gazetted Officer Group 'A' preferably belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes —Member (vi) A Gazetted Officer of or above the rank of Under Secretary representing the Department of Economic Affairs —Observer	Not applicable

[No. F. 4 (39)/77-B.N.P.]

नई दिल्ली, 16 अगस्त, 1979

सां.कां.वि० 1232.—संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति एतद्वारा वित्त मंत्रालय आर्थिक कार्य विभाग (बैंक नोट प्रेम, देवास, श्रेणी III के पद) भर्ती नियमावली, 1975 में और आगे संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:—

- (1) इन नियमों को वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग (बैंक नोट प्रेम, देवास, श्रेणी III के पद) भर्ती (5वां संशोधन) नियमावली, 1979 कहा जाएगा।
- (2) ये नियम इनके सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से लागू होंगे।

2. वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग (बैंक नोट प्रेम, देवास, श्रेणी III के पद) भर्ती नियमावली, 1975 (जिसको हमें इसके पश्चात् उपर्युक्त नियमावली कहा गया है) में मौजूदा नियम 4 के स्थान पर निम्नलिखित नियम प्रतिस्थापित कर दिया जाएगा, अर्थात्:—

“4”. भर्ती की प्रणाली, आयु-सीमा तथा अर्हता आदि:—

उपर्युक्त पदों पर भर्ती किए जाने की प्रणाली, आयु-सीमा, अर्हताएं और अन्य संबंधित मामलों की व्यवस्था उसी रीति से होगी, जिसे उपर्युक्त कालम संख्या 6 से 14 तक में विनिर्दिष्ट किया गया है।

टिप्पणी 1:—आयु सीमा निर्धारित करने की निर्णायक तारीख भारत में उम्मीदवारों से (अंडमान, निकोबार तथा लक्षद्वीप के उम्मीदवारों से भिन्न) आवेदन पत्र प्राप्त करने की अंतिम तारीख होगी। यदि नियुक्तियां रोजगार कार्यालय की माफत की जाएंगी तो निर्णायक तारीख वह तारीख होगी, जिस तक रोजगार कार्यालय को नाम समर्पित करने के लिए कहा गया होगा।

टिप्पणी 2.—उन पदों के मामले में, जिनके लिए सीधी भर्ती ही भर्ती का एक तरीका निर्धारित किया गया है, उपर्युक्त अनुसूची के कालम 8 में सुनिश्चित अनिवार्य अर्हताओं के संबंध में उन उम्मीदवारों के मामले में जो अन्यथा अच्छी तरह से अर्हता प्राप्त होंगे, नियोजक अधिकारी के स्वविवेक पर छूट दी जा सकेगी। सीधी भर्ती के लिए निर्धारित अनुभव संबंधी अर्हता में भी, अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जनजातियों से संबंध रखने वाले उम्मीदवारों के मामले में, नियोजक अधिकारी के स्वविवेक पर छूट दी जा सकेगी, बशर्ते कि प्रवरण कार्य की किसी भी अवस्था में, नियोजक अधिकारी को यह राय हो, कि इन जातियों के संबंध रखने वाले ऐसे उम्मीदवार पर्याप्त संख्या में उपलब्ध नहीं हैं, जिनके पाम एतत् संबंधी आवश्यक अनुभव हो और न ही पर्याप्त संख्या में उनके उपलब्ध हो जाने की संभावना है, जिनसे उनके लिए सुरक्षित पदों को भरा जा सके।”

3. उपर्युक्त नियमावली की अनुसूची में, क्रम संख्या 11, 12, 13 और 14 और उनसे सम्बद्ध प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित क्रम संख्याओं की क्रमशः प्रतिस्थापित कर दिया जाएगा, अर्थात्:—

1	2	3	4	5	6	7	8
“11. डेप्युटी वक्से इंजीनियर (सिविल)”	2	सामान्य केन्द्रीय सेवा, समूह ‘ग’, (भराज-पत्रित) (गैर-सचिवालय)	550-20-650-25-800 रुपए	प्रवरण	30 वर्ष (सरकारी कर्मचारियों के मामले में 35 वर्ष तक छूट)	अनिवार्य:	सिविल इंजीनियरिंग में डिग्री या डिप्लोमा और साथ में डिप्लोमा प्राप्त उम्मीदवारों के मामले में पर्यवेक्षक के रूप में प्रौद्योगिक निर्माण कार्य का 3 वर्ष का अनुभव हो और डिग्री प्राप्त उम्मीदवारों के मामले में पर्यवेक्षक के रूप में प्रौद्योगिक निर्माण कार्य का एक वर्ष का अनुभव हो।

9	10	11	12	13	14
नहीं	2 वर्ष	50 प्रतिशत पदोन्नति द्वारा, जिसके न होने पर सीधी भर्ती द्वारा और 50 प्रतिशत सीधी भर्ती द्वारा।	पदोन्नति : जर्नीमेंन (सिविल) जिसकी 425-600 रुपए के वेतनमान में 3 वर्ष की नियमित सेवा हों और सम्बद्ध सिविल इंजीनियरिंग व्यवसायों में से किसी एक में एस०एस० सी० और आई० टी० आई० पास हो, जिसके न होने पर नियमित रूप से नियुक्त किए गए जर्नीमेंन (सिविल) की 425-600 रुपए और 380-560 रु० के वेतनमानों में मिलाकर 6 वर्ष की सेवा हो और वे कम से कम सम्बद्ध सिविल इंजीनियरिंग व्यवसायों में से किसी एक में एस०एस० सी० और आई० टी०आई० पास हो।	विभागीय पदोन्नति समिति (समूह 'ग') में निरत-लिखित सदस्य होंगे — 1. जनरल मैनेजर—अध्यक्ष। 2. डेप्युटी जनरल मैनेजर—सदस्य। 3. वक्र्स मैनेजर—सदस्य। 4. मुख्य लेखा तथा प्रशासनिक अधिकारी—सदस्य। 5. एक राजपदित अधिकारी जो अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों का प्रतिनिधित्व करता हो—सदस्य। 6. वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग में एक अवर सचिव या उससे ऊंचे पद का एक अधिकारी—पर्यवेक्षक।	लागू नहीं होता

1	2	3	4	5	6	7	8
12. डेप्युटी वर्क्स इंजीनियर (मेके- निकल)	3	सामान्य केन्द्रीय सेवा, समूह 'ग' (अराज- पत्रित) (गैर- सचिवीय)	550-20-650-25- 800 रुपए	प्रवरण	30 वर्ष (सरकारी कर्मचारियों के मामले में 35 वर्ष तक की छूट)	अनिवार्य : मैकेनिकल इंजीनियरिंग में डिग्री या डिप्लोमा और साथ में डिग्री प्राप्त उम्मीदवारों के मामले में पर्यवेक्षक के रूप में एक वर्ष तक और डिप्लोमा प्राप्त उम्मीदवारों के मामले में तीन वर्ष तक किसी प्रतिष्ठित वर्कशॉप में, अथवा हो यदि प्रिंटिंग मशीन और इंजीनियरिंग मशीनरी की स्थापित करने और उसकी देखरेख करने के काम का 3 वर्ष का अनुभव हो।	
13. डेप्युटी वर्क्स इंजीनियर वाता- नुकलन)	3	सामान्य केन्द्रीय सेवा, समूह 'क' (अराज- पत्रित) (गैर- सचिवीय)	550-20-650-25- 800 रु०	प्रवरण	30 वर्ष (सरकारी कर्मचारियों के संबंध में 35 वर्ष तक छूट दी जा सकती है)	अनिवार्य : इलेक्ट्रिकल अथवा मैकेनिकल इंजी- नियरिंग में डिग्री या डिप्लोमा धारी तथा डिग्री धारी होने पर पर्यवेक्षकी पद पर काम करने का एक वर्ष तथा डिप्लोमा धारी होने पर, पर्यवेक्षी पद पर त्रिमयाने तथा बड़े पैमाने के केन्द्रीय वातानुकूलन प्रणाली तथा सम्बद्ध उपकरणों की स्थापना तथा उनके अनुरक्षण का अनुभव हो।	

9	10	11	12	13	14
नहीं	2 वर्ष	50 प्रतिशत पदोन्नति द्वारा, जिसके न होने पर सीधी भर्ती द्वारा और 50 प्रतिशत सीधी भर्ती द्वारा।	पदोन्नति : जर्नीमैन (मैकेनिकल) जिनकी वेतनमान में 3 वर्ष की नियमित सेवा हो और संबद्ध सिविल इंजीनियरिंग व्यवसाय में से किसी एक में एस० एस० सी० और आई०टी०आई० पास हो जिसके न होने पर नियमित रूप से नियुक्त किए गए जर्नीमैन (मैकेनिकल) की 425-600 रुपये और 380-560 रूपए के वेतनमानों में मिलाकर 6 वर्ष की सेवा हो और वे कम से कम सम्बद्ध मैकेनिकल इंजीनियरिंग व्यवसायों में से किसी एक में एस०एस० सी० और आई०टी०आई० पास हो	बिभागीय पदोन्नति समिति (समूह 'ग') जिसमें निम्नलिखित सदस्य होंगे:— (1) जनरल मैनेजर—अध्यक्ष (2) डेप्युटी जनरल मैनेजर—सदस्य (3) वर्क्स मैनेजर—सदस्य (4) मुख्य लेखा तथा प्रशासनिक अधिकारी—सदस्य (5) एक राजपत्रित अधिकारी जो अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों का प्रतिनिधित्व करता हो—सदस्य (6) वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग में अवर सचिव या उससे ऊंचे पद का एक अधिकारी—पर्यवेक्षक	नागू नहीं होता
नहीं	2 वर्ष	50 प्रतिशत पदोन्नति द्वारा जिसके न होने पर सीधी भर्ती द्वारा तथा 50 प्रतिशत सीधी भर्ती द्वारा	पदोन्नति : जर्नीमैन (वातानुकूलन) जिसकी पदक्रम में 3 वर्षों की नियमित सेवा हो और जिसने वातानुकूलन इंजीनियरिंग के किसी सम्बद्ध काम का कम से कम एस० एस० सी० और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान से पाठ्यक्रम किया हो जिसके न होने पर नियमित रूप से नियुक्त कोई ऐसा जर्नीमैन (वातानुकूलन) हो जिसकी 425-600 रूपए और 380-560 रूपए के पदक्रम में 6 वर्षों की संयुक्त सेवा हो तथा जिसने वातानुकूलन इंजीनियरिंग के किसी सम्बद्ध काम का कम से कम एस० एस० सी० और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान से पाठ्यक्रम किया हो।	बिभागीय पदोन्नति समिति (समूह 'ग') जिसमें ये शामिल होंगे:— (1) जनरल मैनेजर—अध्यक्ष (2) डेप्युटी जनरल मैनेजर—सदस्य (3) वर्क्स मैनेजर—सदस्य (4) मुख्य लेखा तथा प्रशासनिक अधिकारी—सदस्य (5) राजपत्रित अधिकारी जो अनुसूचित जाति अनुसूचित जनजाति का सदस्य हो—सदस्य (6) वित्त मंत्रालय आर्थिक कार्य विभाग का अवर सचिव या उससे ऊपर के स्तर का अधिकारी—पर्यवेक्षक	नागू नहीं होता

1	2	3	4	5	6	7	8
"14. डेप्युटी वर्क्स इंजीनियर (इलेक्ट्रिकल)	3	सामान्य केंद्रीय सेवा, समूह 'ग' (भराज-पत्रित) (गैर-सचिवीय)	550-20-650-25-800 रूपए	प्रवरण	30 वर्ष (सर्कारी कर्मचारियों के मामले में 35 वर्षों तक छूट दी जा सकती है)	अनिवार्य : इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में डिग्री या डिप्लोमा तथा डिग्री धारी के लिए पर्यवेक्षी पद पर एक वर्ष का अनुभव तथा डिप्लोमा धारी के लिए तीन वर्षों का अनुभव हो जो अपकेन्द्र अपस्कर वैरिएबल स्पीड इलेक्ट्रिकल मीटर तथा सम्बद्ध स्विच गियरों के अनुरक्षण के संबंध में हो।	

9	10	11	12	13	14
जो नहीं	दो वर्ष	50% पदोन्नति द्वारा जिसके न होने पर सीधी भर्ती द्वारा तथा 50% सीधी भर्ती द्वारा	पदोन्नति जर्नीमेंन (इलेक्ट्रिकल) पदक्रम में 3 वर्षों की नियमित सेवा हो तथा जिसने इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के संबन्ध काम का एस०एस०सी० और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान का पाठ्यक्रम किया हो, जिसके न होने पर, नियमित रूप से नियुक्त जर्नीमेंन (इलेक्ट्रिकल) हो जिसकी 425-600 रुपए और 380-560 रुपए के पदक्रमों में 6 वर्षों की संयुक्त सेवा हो तथा जिसने इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के किसी संबद्ध काम का एस० एस०सी० तथा भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान से पाठ्यक्रम किया हो।	विभागीय पदोन्नति समिति (समूह 'ग') जिसमें वे शामिल होंगे :— (1) जनरल मैनेजर—ग्रह्यक्ष (2) डेप्युटी जनरल मैनेजर —सदस्य (3) वर्क्स मैनेजर—सदस्य (4) मुख्य लेखा और प्रशासनिक अधिकारी—सदस्य (5) अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जन जातियों का प्रतिनिधित्व करने वाला राजपत्रित अधिकारी —सदस्य (6) वित्त मंत्रालय, प्राथमिक कार्य विभाग का प्रवर सचिव प्रथवा उससे ऊपर के स्तर का अधिकारी —पर्यवेक्षक	नागू नहीं होता

[एफ० सं० 4(31)—बी०एन०पी०]

New Delhi, the 16th August, 1979

G.S.R. 1232.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs (Bank Note Press Dewas, Class III posts) Recruitment Rules, 1975, namely :—

1. (1) These rules may be called the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs (Bank Note Press Dewas, Class III post) Recruitment, (5th Amendment) Rules, 1979.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs (Bank Note Press, Dewas, Class III posts) Recruitment Rules, 1975 (hereinafter referred to as the said rules), for the existing rule 4, the following rule shall be substituted, namely :—

"4. Method of recruitment, age limit, qualification etc.—The method of recruitment to the said posts, age limit, qualifications and other matters relating thereto shall be as specified in columns 6 to 14 of the aforesaid Schedule.

Note 1. The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of the applications from candidates in India (other than those in the Andaman and Nicobar Islands and Lakshadweep). In case the appointments are made through the Employment Exchange, the crucial date will be the last date upto which the Employment Exchange is asked to submit the names.

Note 2. In the case of posts for which direct recruitment has been specified as one of the methods, the essential qualifications specified in column 8 of the said Schedule are relaxable at the discretion of the appointing authority in case of candidates otherwise well qualified. The qualification regarding experience prescribed for direct recruitment is relaxable at the discretion of the appointment authority in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes or Scheduled Tribes, if at any stage of selection, the appointing authority is of the opinion that sufficient number of candidates belonging to these communities possessing the requisite experience are not likely to be available to fill up the posts reserved for them."

3. In the Schedule to the said rules, for Serial Numbers 11, 12, 13 and 14 and the entries relating thereto, the following Serial Numbers and entries shall respectively be substituted, namely :—

1	2	3	4	5	6	7	8
"11. Deputy Works Engineer (Civil)	2	General Central Service Group 'C' (Non-Gazetted) (Non-Ministerial)	Rs. 550-20-650-25-800	Selection	30 years (relaxable upto 35 years in the case of Government servants).	Essential : Degree or Diploma in Civil Engineering with 3 year's experience, in a supervisory capacity, in case of Diploma holders and one year's experience, in a supervisory capacity, in case of Degree holders, in Civil construction work.	

9	10	11	12	13	14
No	2 years	50% by promotion failing which by direct recruitment and 50% by direct recruitment.	Promotion : Journeyman (Civil) having 3 years' regular service in the grade of Rs. 425-600 and possessing at least S.S.C. and I.T.I. in any of the relevant Civil Engineering trades, failing which regularly appointed Journeyman (Civil) having 6 years' combined service in the grades of Rs. 425-600 and Rs. 380-560 and possessing at least S.S.C. and I.T.I. in any of the relevant Civil Engineering trades.	Departmental Promotion Committee (Group 'C') comprising of :— (1) General Manager —Chairman (2) Deputy General Manager —Member (3) Works Manager —Member (4) Chief Accounts and Administrative Officer —Member (5) A Gazetted Officer, representing Scheduled Castes and Scheduled Tribes —Member (6) An Officer of, or above, the rank of an under Secretary in the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs —Observer"	Not applicable

1	2	3	4	5	6	7	8
"12. Deputy Works Engineer (Mechanical)	3	General Central Service Group 'C' (Non-Gazetted) (Non-Ministerial)	Rs. 550-20-650-25-800.	Selection	30 years (relaxable upto 35 years in the case of Government servants).	Essential : Degree or Diploma in Mechanical Engineering with one years' experience in a supervisory capacity, in the case of Degree holders and three years' experience in a supervisory capacity, in the case of Diploma holders, in a reputed Workshop preferably in the erection and maintenance of Printing Machinery and Engineering Machinery.	

9	10	11	12	13	14
No	2 years	50% by Promotion failing which by direct recruitment and 50% by direct recruitment.	Promotion : Journeyman (Mechanical) having 3 years, regular service in the grade and possessing at least S.S.C. and I.T.I. in any of the relevant Mechanical Engineering trades, failing which regularly appointed Journeyman (Mechanical) having 6 years combined service in the grades of Rs. 425-600 and Rs. 380-560 and Possessing at least S.S.C. and I.T.I. in any of the relevant Mechanical Engineering trades.	Departmental Promotion Committee (Group 'C') comprising of:— (1) General Manager —Chairman (2) Deputy General Manager —Member (3) Works Manager —Member (4) Chief Accounts and Administrative Officer —Member (5) A Gazetted Officer representing Scheduled Castes or Scheduled Tribes —Member (6) An officer of, or above, the rank of an Under Secretary in the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs—Observer"	Not applicable

1	2	3	4	5	6	7	8
"13. Deputy Works Engineer (Air-conditioning).		3	General Central Service Group 'C' (Non-Gazetted) (Non-Ministerial)	Rs. 550-20-650-25 800.	Selection	30 years (relaxable upto 35 years in the case of Government servants).	Essential : Degree or Diploma in Electrical or Mechanical Engineering with one year's experience, in a Supervisory capacity, in the case of Degree holders and three years' experience, in a Supervisory capacity, in the case of Diploma holders, in the installation and maintenance of medium and large Central Air-conditioning system and related equipments.
"14. Deputy Works Engineer (Electrical)		3	General Central Service Group 'C' (Non-Gazetted) (Non-Ministerial)	Rs. 550-20-650-25 800	Selection	30 years (relaxable upto 35 years in the case of Government servants).	Essential : Degree or Diploma in Electrical Engineering, with one year's experience, in a Supervisory capacity, in the case of Degree holders and three years' experience, in a Supervisory capacity in the case of Diploma holders in the maintenance of sub-station equipment, variable speed electrical meter and related switch gears.

9	10	11	12	13	14
No	2 years	50% by promotion failing which by direct recruitment and 50% by direct recruitment.	Promotion : Journeyman (Air-conditioning) having 3 years' regular service in the grade and possessing at least S.S.C. and I.T.I. in any of the relevant Air-conditioning Engineering trades, failing which regularly appointed Journeyman (Air-conditioning) having 6 years' combined service in the grades of Rs. 425-600 and Rs. 380-560 and possessing at least S.S.C. and I.T.I. in any of the relevant Air-conditioning Engineering trades.	Departmental Promotion Committee (Group 'C') comprising of:— (1) General Manager—Chairman (2) Deputy General Manager—Member (3) Works Manager—Member (4) Chief Accounts and Administrative Officer—Member (5) A Gazetted Officer representing Scheduled Castes and Scheduled Tribes—Member (6) An Officer of, or above, the rank of an Under Secretary in the Ministry of Economic Affairs—Observer	Not applicable"
No	2 years	50% by promotion failing which by direct recruitment and 50% by direct recruitment.	Promotion : Journeyman (Electrical) having 3 years' regular service in the grade and possessing at least S.S.C. and I.T.I. in any of the relevant Electrical Engineering trades, failing which regularly appointed Journeyman (Electrical) having 6 years' combined service in the	Departmental Promotion Committee (Group 'C') comprising of:— (1) General Manager—Chairman (2) Deputy General Manager—Member (3) Works Manager—Member (4) Chief Accounts and	Not applicable"

9	10	11	12	13	14
			grades of Rs. 425-600 and Rs. 380-560 and possessing at least S.S.C. and I.T.I. in any of the relevant Electrical Engineering trades.	Administrative Officer—Member (5) A Gazetted Officer representing Scheduled Castes or Scheduled Tribes—Member (6) An Officer of, or above, the rank of an Under Secretary in the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs—Observer.	

[F. No. 4(31)/78-B.N.P.]

सांका०नि० 1233—संविधान के अनुच्छेद 309 के परस्पर के द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति एतद्वारा वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग (बैंक नोट प्रेस, वेदास अर्धगोष्ठित औद्योगिक संवर्ग पद) भारती नियमावली, 1975 में अपेक्षित संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं अर्थात् :-

- (1) इन नियमों को वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग (बैंक नोट प्रेस वेदास अर्धगोष्ठित संवर्ग पद) भर्ती (द्वारा संशोधन) नियमावली, 1979 कहा जाएगा ;
- (2) ये नियम इसके सरकारी राजपत्र में प्रकाशित किए जाने की तारीख से लागू होंगे ।
2. वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग (बैंक नोट प्रेस, वेदास अर्धगोष्ठित औद्योगिक संवर्ग पद) भर्ती नियमावली, 1975 की अनुसूची में "IV वर्कशाप" शीर्षक के नीचे क्रम संख्या 65—क के बाद और उसकी प्रविष्टियों के संबंध में निम्नलिखित क्रम संख्या 65—ख तथा प्रविष्टियां जोड़ी दी जाएंगी, अर्थात् :-

1	2	3	4	5	6	7	8
65-ख सीवरमैन		6 अर्धगोष्ठित औद्योगिक संवर्ग		210-4-226-ब० रो०-4-250-ब० रो०-5-290-रपए	अप्रवरण	30 वर्ष (सरकारी कर्मचारियों के संबंध में 35 वर्ष तक छूट)	(क) प्राथमिक कक्षा पास (ख) अच्छा स्वास्थ्य (ग) सम्बद्ध कार्य में अर्थात् "सीवर" के रखरखाव में किसी बड़े प्रतिष्ठान या नगरपालिका में 5 वर्ष का अनुभव ।

9	10	11	12	13	14
नहीं	2 वर्ष	66 2/3 प्रतिशत पदोन्नति द्वारा जिसके न होने पर सीधी भर्ती के द्वारा और 33-1/3 प्रतिशत सीधी भर्ती द्वारा ।	पदोन्नति फेक्टरी स्वीपर जिसने ग्रेड में दो वर्ष तक नियमित सेवा की हो और जिसे "सीवर" लाइन्स के रखरखाव का पर्याप्त अनुभव हो ।	विभागीय पदोन्नति समिति का गठन निम्न प्रकार होगा : (i) उप महाप्रबंधक—प्रध्यक्ष (ii) वर्क प्रबंधक—सदस्य (iii) मुख्य रसायनज्ञ—सदस्य (iv) वरिष्ठ इंजीनियर—सदस्य (v) मुख्य लेखा तथा प्रशासनिक अधिकारी—सदस्य (vi) वर्ग 'क' का राजपत्रित अधिकारी जो अनुसूचित जातियों तथा आदिम जातियों का प्रतिनिधित्व करता हो—सदस्य (vii) वर्क समिति का एक प्रतिनिधि—प्रेक्षक	लागू नहीं होता

[एफ०सं० 4(17)/79-बी०एन०पी०]

राज कुमार मल्होत्रा, अधिवक्ता

G.S.R. 1233—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs (Bank Note Press, Dewas, Unclassified Industrial Cadre posts) Recruitment Rules, 1975, namely:—

1. (1) These rules may be called the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs (Bank Note Press, Dewas, Unclassified Industrial Cadre posts) Recruitment (Second Amendment) Rules, 1979.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Schedule to the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs (Bank Note Press, Dewas, Unclassified Industrial Cadre posts) Recruitment Rules 1975, under the heading "IV Workshop", after serial No. 65-A and the entries relating thereto, the following serial No. 65-B and entries shall be inserted, namely:—

1	2	3	4	5	6	7
65. B Sewerman	6	Unclassified Industrial cadre	Rs. 210-4-226-EB-4-250-EB-5-290.	Non-Selection	30 years. (relaxable upto 35 years in the case of Government servants).	(a) 8th standard pass. (b) Good physique. (c) 5 years experience in a large concern/Municipality in the relevant trade that is, Sewer maintenance.
9	10	11	12	13	14	
No.	2 years.	66-2/3 % by Promotion, failing which by direct recruitment and 33-1/3 % by direct recruitment.	Promotion : Factory Sweeper with 2 years regular service in the grade with adequate experience in Sewer lines maintenance.	Departmental Promotion Committee (Industrial) comprising:— (i) Deputy General Manager—Chairman (ii) Works Manager—Member. (iii) Chief Chemist—Member. (iv) Senior Engineer—Member. (v) Chief Accounts and Administrative Officer—Member. (vi) A Gazetted Group 'A' Officer representing Scheduled Castes and Scheduled Tribes—Member. (vii) A representative of the Works Committee—Observer.	Not applicable	

[F. No. 4(17)/79—BNP]

L. K. MALHOTRA, Under Secy.

नई दिल्ली, 12 सितम्बर, 1979

सांकांति० 1234—भारत के संविधान के अनुच्छेद 299 के खण्ड (1) के साथ पठित अनुच्छेद 77 के खण्ड (2) के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:—

1. यूरोपीय आर्थिक समुदाय के सदस्य देशों द्वारा दिए गए ग्रंथानों से स्थापित विशेष कार्यवाई खाते के प्रशासक के रूप में अंतर्राष्ट्रीय विकास संघ, वाशिंगटन द्वारा दिए जाने वाले ऋणों के सम्बन्ध में निष्पादित किए जाने वाले विशेष कार्यवाई ऋण करार तथा वस्तावेजों से संबन्धित इन नियमों को "वस्तावेजों के निष्पादन और अधिप्रमाणन नियम" कहा जाएगा।

2. यूरोपीय आर्थिक समुदाय के सदस्य देशों द्वारा दिए गए ग्रंथानों से स्थापित विशेष कार्यवाई खाते के प्रशासक के रूप में अंतर्राष्ट्रीय विकास संघ, वाशिंगटन द्वारा दिए जाने वाले ऋण के सम्बन्ध में संघ की कार्यकारी शक्तियों का प्रयोग करते हुए, जिस विशेष कार्यवाई ऋण करार तथा अन्य वस्तावेजों को निष्पादित किया जाना अपेक्षित हो, उन्हें राष्ट्रपति

की ओर से निम्न निर्दिष्ट अधिकारियों द्वारा निष्पादित तथा अधिप्रमाणित किया जाएगा।

(1) संयुक्त राज्य अमेरिका में भारत के राजदूत द्वारा या उनकी अनुपस्थिति में संयुक्त राज्य अमेरिका में भारतीय राजदूतावास के कार्यदूत द्वारा।

(2) संयुक्त राज्य अमेरिका में भारतीय राजदूतावास के मंत्रियों में से किसी एक मंत्री द्वारा।

"राष्ट्रपति के आदेश से तथा नाम में।

[संफ० 3(10) 77-एफ० बी० 6 (ई० ई० सी०)]

अश्विन्दर सिबल, निदेशक

New Delhi, the 12th September, 1979

G.S.R. 1234—In exercise of the powers conferred by clause (2) of article 77 read with clause (1) of article 299 of the Constitution, the President is pleased to make the following rule, namely :

1. These rules may be called the "Rules for Execution and Authentication of Documents" relating to the Special Action

Credit Agreement and other documents required to be executed in connection with the grant of credit by the International Development Association, Washington, as Administrator of the Special Action's Account established with funds contributed by the Member States of the European Economic Community.

2. The Special Action Credit Agreement and other Documents required to be executed, in exercise of the executive power of the Union, in connection with the grant of credit by the International Development Association, Washington, as Administrator of the Special Action Account established with funds contributed by the Member States of the European Economic Community, shall be executed and authenticated on behalf, of the President by any of the officers specified below:

(i) India's Ambassador in the United States of America, or in his absence, by the Charge D' Affairs in the Embassy of India in the United States of America.

(ii) Any of the Ministers in the Embassy of India in the United States of America.

By order and in the name of the President.

[No. F. 3(10)/77-FB.6(BEC)]

J. K. SIBAL, Director

नई दिल्ली, 24 सितम्बर, 1979

सांकांलि० 1235—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 299 के खण्ड (1) के साथ पठित अनुच्छेद 77 के खण्ड (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:—

1. संक्षिप्त नाम—इन नियमों का नाम "कृषि विकास अन्तर्राष्ट्रीय निधि, रोम द्वारा उधारों के दिए जाने के संबंध में उधार-करारों और अन्य दस्तावेजों के निष्पादन और अधिप्रमाणन नियम" है।

2. कृषि विकास अन्तर्राष्ट्रीय निधि, रोम द्वारा उधारों के दिए जाने के संबंध में, संघ की कार्यपालक शक्ति का प्रयोग करते हुए, निष्पादन के लिए अपेक्षित सभी उधार-करारों और अन्य दस्तावेजों का निष्पादन और अधिप्रमाणन, राष्ट्रपति की ओर से इटली में भारत के राजदूत, या उसकी अनुपस्थिति में इटली में भारत के राजदूतावास में कार्यरत द्वारा, किया जाएगा।

भारत के राष्ट्रपति के आदेश से और उनके नाम में—

सं० फा० 9(13)/एफ०ई०पी०/79]

श्रीमती ए० मानसिंह, उप-सचिव

New Delhi, the 24th September, 1979

G.S.R. 1235.—In exercise of the powers conferred by clause(2) of article 77, read with clause (1) of article 299, of the Constitution, the President is pleased to make the following rules, namely:—

1. Short title.—These rules may be called "Rules for Execution and Authentication of Loan Agreements and other Documents in connection with the grant of Loans by the International Fund for Agricultural Development, Rome".

2. All Loan Agreements and other documents required to be executed, in exercise of the executive power of the Union, in connection with the grant of loans by the International Fund for Agricultural Development, Rome, shall be executed and authenticated on behalf of the President by India's Ambassador in Italy, or in his absence, by the Charged' affairs in the Embassy of India in Italy.

By Order and in the name of the President of India

Smt. A. MAN SINGH, Dy. Secy.

[No. F.9(13)FEP/79]

(राजस्व विभाग)

नई दिल्ली, 6 अक्टूबर, 1979

सांकांलि० 1236—राष्ट्रपति, भारत के संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए आयकर विभाग अराजपत्रित, लिपिकवर्गीय पद भर्ती नियम, 1969 में संशोधन के लिये निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:—

1. (1) इन नियमों का नाम आयकर विभाग, अराजपत्रित, लिपिक-वर्गीय पद भर्ती (संशोधन) नियम, 1979 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. आयकर विभाग, अराजपत्रित, लिपिकवर्गीय पद भर्ती नियम 1969 से उपाखण्ड अनुसूची के स्तम्भ 5 में, 'चयन' शब्द के स्थान पर 'अचयन' शब्द रखा जायेगा।

[फा० सं० ए०-12018/3/79-एडी०]

रमा कान्त, अवसर सचिव

(Department of Revenue)

New Delhi, the 6th October, 1979

G.S.R. 1236.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution of India, the President hereby makes the following rules to amend the Income-tax Department Non-gazetted Ministerial Posts Recruitment Rules, 1969, namely:—

1. (1) These rules may be called the Income-tax Department Non-Gazetted Ministerial Posts Recruitment (Amendment) Rules, 1979.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Schedule annexed to the Income-tax Department Non-Gazetted Ministerial Posts Recruitment Rules, 1969, in column 5, for the word "Selection", the words 'Non-Selection' shall be substituted.

[F. No. A. 12018/3/79-Ad.VII]

RAMA KANT, Under Secy.

सीमा एवं केन्द्रीय उत्पादन शुल्क मन्त्रालय समाहर्तालय

सांकांलि० 31-12-78 को समा त तिमार्ही के दौरान सीमा शुल्क अधिनियम 1962 के उपबन्धों तथा इनके अधीन बनाए गए नियमों का उल्लंघन करने वाले व्यक्तियों का विवरण तथा उक्त अपराध के लिए न्यायालय द्वारा दोषी ठहराये गए व्यक्ति जिन पर विभाग द्वारा 10,000 रुपये या इससे अधिक रुपये की शास्ति अधिरोपित की गई।

क्रम दोषी ठहराये गए व्यक्तियों उल्लंघित धारा का विवरण तथा दी गई सं० के नाम तथा पते सजा का स्वरूप आदि

2	3
1. सर्वश्री राधाकृष्णन, भ्रातृमज सुयुक्तरूप चेट्टियार 8/287 कीलपल्लिवारुल स्ट्रीट, वेरामकुडी (ए-1)	रामानाथगुडम के उपमंडलीय ज्यूडिशियल न्यायाधीश ने निर्यात एवं आयात (नियंत्रण) अधिनियम की धारा 3 (1) के साथ पठित सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 की धारा-11 का उल्लंघन करने पर ए-1 एवं ए-2 प्रत्येक को 500 रु० का जुर्माना भुगतान करने की सजा सुनाई।
मनिकम, भ्रातृमज कश्यपिना नाथर, 14, नाडुमुनयकाडु, वैद्यली पोस्ट (ए-2)	केन्द्रीय उत्पादन शुल्क मन्त्रालय ने सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 की धारा-111 तथा 113 के अन्तर्गत सर-कार के पक्ष में 25,000 रु० पर मुख्य की लीग को पूर्ण रूप से जब्त करने का आदेश दिया।

1	2	3	1	2	3
2. सर्वश्री ए० एन० मोहम्मद, मीरा साहिब आत्मज नैना मुहम्मद, सिनाकवेय अली, कोलकराय	रामानाथपुरम के उपमंडलीय ज्यूडिशियल न्यायाधीश ने विदेशी मुद्रा विनियमन अधिनियम की धारा 13(1) के साथ पठित सीमा शुल्क अधिनियम 1962 की धारा-11 का उल्लंघन करने पर ए० 1 को 1500 रु० जुर्माना भ्रष्टा करने की सजा सुनाई।	केन्द्रीय उत्पादन शुल्क मसूरे के सहायक समाहर्ता ने सरकार के पक्ष में 25,010 रुपये का प्राइमरी सोना जप्त किया।	श्री विश्वानाथ पाथेर, आत्मज भरमुगुम पाथेर, 3-बी महाराजपुरम, नागी रोड, बेशरनयम (ए० 3)	केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नागपट्टिनम के सहायक समाहर्ता ने सीमा शुल्क अधिनियम 1962 की धारा -III (बी) के अन्तर्गत सरकार के पक्ष में 2-6 किलोग्राम वजन की चांदी की छड़ें तथा 2710 रु० की भारतीय मुद्रा जिसका कुल मूल्य 5710 रु० था जप्त की। सहायक समाहर्ता ने प्रत्येक पर 500 रु० की शास्ति भी अधिरोपित की।	
3. सर्वश्री के० एस० शांमुगुम उर्फ सुहरी शांमुगुम, आत्मज कानागासायपाकि-पिल्लै, शांमामिदम, रामानाथपुरम	रामानाथपुरम के उपमंडलीय ज्यूडिशियल न्यायाधीश ने निर्यात आयात (नियंत्रण) अधिनियम की धारा 3(2) के साथ पठित सीमा शुल्क अधिनियम की धारा-11 का उल्लंघन करने पर ए० 1 को 200 रु० का जुर्माना भ्रष्टा करने की सजा सुनाई।	केन्द्रीय उत्पादन शुल्क मसूरे के सहायक समाहर्ता ने सरकार के पक्ष में 26,250 रु० की लौंग जप्त की।	6. श्री गोविन्दन, आत्मज अरुणाक्षलपाडयाची, पूर्वी भरकोटी स्ट्रीट, थोपुथोरी (ए० 2) अरुणाक्षलपाडयेपी, आत्मज नतैसापाडयाची, पूर्वी भरकोटी स्ट्रीट, थोपुथोरी (ए० 2)	नागपट्टिनम के सब डिवीजनल ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट ने अपने दिनांक 6-12-78 के निर्णयन सी०सी०सं०-813 में सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 की धारा-II का उल्लंघन करने पर प्रत्येक पर 400 रु० जुर्माना अधिरोपित किया, जुर्माना भ्रष्टा न करने पर 4 मास के सशक्त कारावास की सजा सुनाई, जुर्माना भ्रष्टा किया केन्द्रीय उत्पादन शुल्क एवं सीमा शुल्क डिविजन नागपट्टिनम के सहायक समाहर्ता ने सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 की धारा III (बी) के अन्तर्गत सरकार के पक्ष में 4056 रुपये मूल्य की 3,380 किलोग्राम वजन की चांदी पूर्ण रूप से जप्त की और प्रत्येक पर 500 रु० की प्रत्यक्ष शास्ति अधिरोपित की।	
4. सर्वश्री सदायन अम्बालम, आत्मज चिन्नवन अम्बालम, अम्बालकरा गली, अन्नक्का-सरि, सेयुवावे चेताराम (ए० 1)	नागपट्टिनम के उपमंडलीय ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट ने अपने दिनांक 6-11-78 के निर्णयन सी०सी०सं० - 757/78 में सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 की धारा-11 का उल्लंघन करने पर ए० 1 और ए० 2 को पांच मास के सशक्त कारावास की सजा सुनाई।	केन्द्रीय उत्पादन शुल्क नागपट्टिनम के सहायक समाहर्ता ने निर्यात और आयात (नियंत्रण) अधिनियम 1947 की धारा 3(2) तथा विदेशी मुद्रा विनियमन अधिनियम, 1973 की धारा 13 और 67 के साथ पठित सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 की धारा-111 (बी), 111(पी) के अन्तर्गत कलाई अड़ियां, चांदी की छड़ें और प्रकीर्ण वस्तुएं कुल मिलाकर जिनका मूल्य 11,526 रु० था, जप्त की तथा ए० 1 और ए० 2 प्रत्येक पर 500 रु० की प्रत्यक्ष शास्ति अधिरोपित की।	7. श्री मूर्ति उर्फ दक्षिणामूर्ति, आत्मज नतैसापाडयाची, पूर्वी भरकोटी स्ट्रीट, थोपुथोरी	नागपट्टिनम के सब डिवीजनल ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट ने अपने दिनांक 10-11-78 के निर्णयन सी०सी०सं०-812/78 में सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 की धारा-11 का उल्लंघन करने पर न्यायालय के बरखास्त होने तक कारावास और 300 रु० जुर्माना भ्रष्टा करने और जुर्माना भ्रष्टा न करने पर 3 मास के सशक्त कारावास की सजा सुनाई 1 जुर्माना भ्रष्टा किया।	
रंगासामी, आत्मज कुंजबलम, अम्बालाकरन गली, मानक्कावालसरि, सेयुवावे चेताराम (ए० 2)				सीमा शुल्क डिविजन नागपट्टिनम के केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के सहायक समाहर्ता ने सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 की धारा-III (बी) के अन्तर्गत सरकार के पक्ष में 7.172 किलोग्राम के वजन की चांदी और 6,325 रु० की भारतीय मुद्रा कुल मिलाकर जिसका मूल्य 15,445 रु० जप्त की। केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, सीमा शुल्क डिविजन नागपट्टिनम के सहायक समाहर्ता ने 500 रु० की शास्ति भी अधिरोपित की।	
5. श्री खुशालचन्द्र, गनेशमल, सं०-11 थडीलम सेनाची स्ट्रीट, सरकसी (ए० 1) श्री मणि पाथेर, सेथर, मणिपाथेर, आत्मज सूबय्य पाथेर, 37 मेरिप्रयनकोली स्ट्रीट, विजयपुरम तिरुवथूर (ए० 2)	नागपट्टिनम के उपमंडलीय ज्यूडिशियल न्यायाधीश ने अपने दिनांक 5-12-78 के निर्णयन सी०सी०सं० - 811/78 में सीमा शुल्क अधिनियम 1962 की धारा-11 का उल्लंघन करने पर ए० 1, ए० 2 तथा ए० 3 पर 500 रु० का जुर्माना और जुर्माना भ्रष्टा न करने पर 4 मास की सशक्त कारावास की सजा, अपील के अन्तर्गत जुर्माना भ्रष्टा किया।		8. श्री राजमनिकम, आत्मज शिवशानाथपाथर, महाराजपुरम, नागी रोड, बेशरनयम (ए० 1)	नागपट्टिनम के सब डिवीजनल ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट ने अपने दिनांक 6-12-78 के निर्णयन सी०सी०सं० 814/78 में सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 की धारा-II का उल्लंघन करने पर प्रत्येक	

1	2	3
	मूर्ति, भारत नरेश्वर, पूर्व अरकोटी स्ट्रीट, पोम्पुथुरे (ए० 2)	पर 300 रु० का जुर्माना अधिरोपित किया, जुर्माना न भरा करने पर 3 मास के सख्त कारावास की सजा सुनाई गई, जुर्माना भरा किया। केन्द्रीय उत्पादन शुल्क नागपट्टिनम के सहायक समाहर्ता ने सीमा शुल्क अधिनियम 1962 की धारा-III (जी) के अन्तर्गत सरकार के पक्ष में 3840 रु० के मूल्य की 3.2 किलोग्राम वजन की चादी ज्वेल की। केन्द्रीय उत्पादन शुल्क सीमा शुल्क डिबिजन नागपट्टिनम के सहायक समाहर्ता ने प्रत्येक पर 500 रु० की प्रत्यक्ष शास्ति भी अधिरोपित की।
9. श्री नरेश्वर, भारत नरेश्वर, बेलीपल्लयाम, श्री लंका (ए० 1)	भारत नरेश्वर, रेलवे स्टेशन रोड, बेलीपल्लयाम नागपट्टिनम (ए० 2)	नागपट्टिनम के सब डिबिजनल ज्युडिशियल मजिस्ट्रेट ने अपने दिनांक 5-12-78 के निर्णयन सी०सी०सं० -840/78 में सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 की धारा-11 का उल्लंघन करते पर प्रत्येक पर 200 रु० का जुर्माना अधिरोपित किया। जुर्माना भरा न करने पर 2 मास के सख्त कारावास की सजा सुनाई। जुर्माना भरा किया।
भर्जुनान, भारत नरेश्वर, बेलीपल्लयाम, श्री लंका (ए० 3)	भर्जुनान, भारत नरेश्वर, बेलीपल्लयाम, नागपट्टिनम (ए० 4)	1,800 रु० मूल्य की भारतीय मूल की 322 किलोग्राम बोरी पत्तियों के सामले का न्यायनिर्णयन अनिर्णीत है।
[अधिसूचना सं० 4/78] भार० जयरामन, समाहर्ता		
Madurai Customs and Central Excise : Collectorate		
G.S.R. 1237.—Particulars of persons who have contravened the provisions of Customs Act 1962 and Rules made thereunder and who have been convicted by court and persons on whom a penalty of Rs. 10,000/- or more was imposed by the Department for the Quarter ending : 31-12-78.		
Sl. No.	Name and Address of person convicted	Particulars of section contravened and punishment awarded etc.
Ramanathapuram Division		
1.	S/Shri. Radhakrishnan, S/o Muthu Karuppan Chettiar, 8/287 Keelapallivasal St., Paramakudi (A.1.)	For contravention of Section 11 of Customs Act 1962 read with Section 3(1) of Import and Export (Control) Act, the sub-divisional Judicial Magistrate Ramanathapuram has sentenced A.1. and A.2 to pay a fine of Rs. 500/- each.
	Manickam, S/o Karuppihal Nadar, 14 Nadumunaikadu, Vethalai Post (A.2)	The Deputy Collector of Central Excise Madurai has ordered absolute confiscation of cloves valued of Rs. 25,000/- to Government under sec. 111 and 113 Customs Act 1962.
2.	Shri A.N. Mohamed Meera Sahib, S/o Naina Mohamed, Sinnakadai St., Keelakarai.	For contravention of Section 11 of Customs Act, 1962 read with Section 13(1) of Foreign Exchange Regulation Act, the sub-divisional Judicial Magistrate Ramanathapuram has sentenced A.1 to pay a fine of Rs. 1500/-
		The Deputy Collector of Central Excise Madurai has confiscated the Primary Gold Valued Rs. 25,010/- to Government.
3.	Shri K.S. Shanmugam Alias Suruttai Shanmugam, S/o Kanagasabapathy Pillai, Thangachimodam Ramanathapuram.	For contravention of Section 11 of Customs Act 1962 read with section 3(2) of the Import Export (Control) Act the sub-divisional Judicial Magistrate Ramanathapuram has sentenced A.1. to pay a fine of Rs. 200/-
		The Deputy Collector of Central Excise Madurai has confiscated the cloves valued Rs. 26,250/- to Government.
Nagapattinam Division		
4.	Shri. Sadayan Ambalam, S/o Chinnavan Ambalam, Ambalakara Street, Manakkavalasari, Sethuvaba Chatram (A.1)	For contravention of Section 11 of Customs Act, 1962 the sub-divisional Magistrate Nagapattinam in his judgement CC. No. 757/78 dated 6-11-78 has sentenced A.1 and A.2 to undergo Rigorous Imprisonment for 5 months.
	Rangasamy, S/o Kunjambalam, Ambalakara Street, Manakkavalasari, Sethubava Chatram (A.2)	The Assistant Collector Central Excise Nagapattinam has confiscated Wrist Watches, Silver bars and Miscellaneous goods all valued Rs. 11,526/- under section 111(d) 111(p) of the Customs Act 1962 read with section 3(2) of Imports and Exports (Control) Act, 1947 and section 13 and 67 Foreign Exchange Regulation Act, 1973 and imposed a direct penalty of Rs. 500/- each on A.1 and A.2.
5.	S/Shri Kushalchand, Ganeshmal, No. 11 Thadelam Sannathi Street, Sirkali (A.1.) Mani pathar @ Sethru manipathar, 37 Mariamman kolli st, Vijayapuram Tiruvavur (A.2.)	For contravention of Section 11 of Customs Act 1962, the sub-divisional Judicial Magistrate Nagapattinam has in his Judgement CC. No. 811/78 dt. 5-12-78 imposed a fine of Rs. 500/- on A.1, A.2, and A.3 or in default to undergo Rigorous Imprisonment for 4 months fine paid under appeal.

1	2	3	1	2	3
Viswanatha Pathar, S/o Arumugam Pathar, 3-B Maharajapuram, Nagai Road, Vedaranyam, Vedaranyam (A.3)	The Assistant Collector of Central Excise Customs Division, Nagapattinam has absolutely confiscated silver bars weighing 2-6 Kgs. and Indian currency Rs. 2710/- all valued Rs. 5,710/- to Government under Section 111(d) of, Customs Act 1962. The Assistant Collector has also imposed a penalty of Rs. 500 each.				under section 111(d) of Customs Act 1962. The Assistant Collector of Central Excise Customs Division Nagapattinam has also imposed a penalty of Rs. 500/-
6. Shri. Govindan, S/o Arunachalpadayachi, East Arcoti St., Thopputhurai (A.1.)	For contravention of section 11 of Customs Act 1962 the sub divisional Judicial Magistrate Nagapattinam in his judgement CC. No. 813/78 dt. 6-12-78 has imposed a fine of Rs. 400/- each i.d. to undergo Rigorous Imprisonment for 4 months; fine paid.		8. S/Shri Rajamanickam, S/o Viswanathapathar, Maharajapuram, Nagai Road, Vedaranyam (A.1)		For contravention of Section 11 of Customs Act 1962, the sub divisional Judicial Magistrate Nagapattinam in his judgement CC. No. 814/78 dated 6-12-78 has imposed a fine of Rs. 300/- each i.d. to undergo Rigorous Imprisonment for 3 months; fine paid
Arunachalpadayachi, S/o Natesapadayachi, East Arcoti St., Thopputhurai (A.2.)	The Assistant Collector of Central Excise Customs Division Nagapattinam, has absolutely confiscated Silver weighing 3.380 kgs. valued Rs. 4056/- to Government under S111(d) of Customs Act 1962 and imposed a direct penalty of Rs. 500/- each.		Moorthy, S/o Natesa padayachi, East Arcoti St., Thopputhurai (A.2)		The Assistant Collector of Central Excise Nagapattinam has confiscated silver weighing 3.2 Kg. valued Rs. 3840/- to Government under section 111(d) of Customs Act 1962 the Assistant Collector of Central Excise Customs Division Nagapattinam has also imposed a direct penalty of Rs. 500/- each.
7. Shri. Moorthy alias Dakshinamurthy, S/o Natesapadayachi, East Arcoti st, Thopputhurai.	For contravention of section 11 of Customs Act 1962 the sub divisional Judicial Magistrate Nagapattinam has in his judgement CC. No. 812/78 dated 10-11-78 sentenced to imprisonment till raising of court and to pay a fine of of Rs. 300/- i.d. to undergo Rigorous Imprisonment for 3 months; fine paid.		9. S/s Shri Natesan, S/o Vaidayar, Velvattithurai, Sri-lanka (A.1.)		For contravention of Section 11 of Customs Act, 1962 the sub divisional Judicial Magistrate Nagapattinam in his judgement CC. No. 840/78 dated 5-12-78 has imposed a fine of Rs. 200/- each i.d. to undergo Rigorous Imprisonment for 2 months; fine paid.
	The Assistant Collector of Central Excise Customs Division, Nagapattinam has confiscated Silver weighing 7.172 kgs. and Indian Currency of Rs. 6,325/-all valued Rs. 15,445/-.		Ayyaru, S/o Mayandi, Railway Station Road, Vellpalayam, Nagapattinam (A.2)		Beedi leaves 322 kgs. of Indian origin valued Rs. 1,800/- the case is pending adjudication.
			Arjunana, S/o Vellaisamy Thevar, Railway Station Road, Vellipalayam, Nagapattinam. (A.3).		
			Selvaraj, S/o Chockkan Thevar, Railway Station Road, Velipalayam, Nagapattinam (A.4).		

[Notification No. 4/78)]

JAYARAMAN, Collector.

वाणिज्य, नागरिक पूति और सहकारिता मंत्रालय

नई दिल्ली, 22 सितम्बर, 1979

सांकांनि० 1238.—राष्ट्रपति, सविधान के अनुच्छेद 309 के परम्पुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के भूतपूर्व खाद्य, कृषि सामुदायिक विकास और सहकारिता मंत्रालय (सामुदायिक विकास और सहकारिता विभाग) की अधिसूचना सं० सांकांनि० 2195 तारीख 13 सितम्बर, 1969 को अधिकांश करते हुए, वाणिज्य, नागरिक पूति और सहकारिता मंत्रालय (नागरिक पूति और सहकारिता विभाग) में लेखाकार पद पर भर्ती की पद्धति को विनियमित करने वाले निम्नलिखित नियम बनाते हैं, यथातः—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भः—(1) इन नियमों का नाम वाणिज्य, नागरिक पूति और सहकारिता मंत्रालय (नागरिक पूति और सहकारिता विभाग) लेखाकार (समूह ख, लिपिक वर्गीय, अराजपत्रित) भर्ती नियम, 1979 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. पद संख्या, वर्गीकरण और वेतनमानः—उक्त पद की संख्या, उसका वर्गीकरण और उसका वेतनमान वे होंगे जो इससे अपावद्ध अनुसूची के स्तम्भ 2 से 4 तक में विनिर्दिष्ट हैं।

3. भर्ती की पद्धति, प्रायु-सीमा और ग्रहंताएं प्रादिः—उक्त पद पर भर्ती की पद्धति, प्रायु सीमा, ग्रहंताएं और उससे संबंधित अन्य बातें वे होंगी जो पूर्वोक्त अनुसूची के स्तम्भ 5 से 13 तक में विनिर्दिष्ट हैं।

4. निरर्हताएं—अवह व्यक्ति—

- (क) जिसने ऐसे व्यक्ति से, जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या
(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया हो;

उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का समाधान हो जाए कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के अधीन अनुज्ञेय है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार मौजूद हैं तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेंगे।

5. नियम शिथिल करने की शक्ति—जहाँ केन्द्रीय सरकार को राय हो कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वहाँ वह, उसके लिए जो कारण हैं उन्हें लेखबद्ध करके तथा संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करके, इन नियमों के किसी अपबन्ध को किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों या पदों की शक्ति, आदेश द्वारा शिथिल कर सकेगी।

6. व्यावृत्ति—इन नियमों की कोई भी बात ऐसे आरक्षणों, आयु-सीमा में छूट और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी, जिनका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबन्ध में समय-समय पर निकाले गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जन जातियों और अन्य विशेष प्रवर्गों के व्यक्तियों के लिए अपबन्ध करना अपेक्षित है।

वारिण्य, नागरिक पूति और सहकारिता संस्थान (नागरिक पूति और सहकारिता विभाग) में लेखाकार पद के लिए भर्ती के नियम

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	चयन पद अथवा अचयन पद	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए शैक्षिक और अन्य अर्हताएं
1	2	3	4	5	6	7
लेखाकार	6 (छह)	साधारण केन्द्रीय सेवा, समूह 'ख', (लिपिकवर्गीय, अराजपत्रित)	500-20-700-६० १००-25-900 ६०	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता
सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित आयु और शैक्षिक अर्हताएं प्रोन्नति की दशा में लागू होगी या नहीं	परिवीक्षा की अवधि यदि कोई हो	भर्ती की पद्धति : भर्ती सीधे होगी या प्रोन्नति या स्थानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों की प्रतिशतता	प्रोन्नति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की दशा में वे श्रेणियाँ जिनसे प्रोन्नति की जाएगी	यदि विभागीय प्रोन्नति समिति है तो उसकी संरचना	भर्ती करने में किन परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाएगा	
8	9	10	11	12	13	
लागू नहीं होता	दो वर्ष	प्रोन्नति/प्रोत्तिनियुक्ति पद-स्थानान्तरण द्वारा।	प्रोन्नति/प्रोत्तिनियुक्ति पर स्थानान्तरण :— केन्द्रीय सचिवालय सेवा में के ऐसे सहायक, जिन्होंने सचिवालय प्रशिक्षण और बन्ध संस्थान में रोकड़ और लेखा कार्य का प्रशिक्षण प्राप्त किया है और जिन्होंने रोकड़ तथा लेखा कार्य में 3 वर्ष का अनुभव है जिसने सेवा नहीं कर सकते पर अधीनस्थ लेखा लेखाकार/ अधीनस्थ लेखा सेवा अर्णीर्ण लिपिक या किसी संगठित लेखा विभाग, अर्थात् भारतीय लेखा परीक्षा और लेखा विभाग, भारतीय रक्षा लेखा विभाग, भारतीय सिविल लेखा विभाग, भारतीय रेल लेखा विभाग और भारतीय डाक-तार लेखा और जिन विभाग, आदि के समतुल्य पंक्ति के अधिकारी। ऐसे विभागीय लेखा लिपिक पर भी विचार किया जाएगा जिनमें उस श्रेणी में 10 वर्ष की नियमित सेवा की है और यदि अनन्य से किसी का चयन पद	समूह ख, विभागीय प्रोन्नति समिति, (पुष्टीकरण पर विचार करने के लिए) 1. प्रशासन भारमाधक संयुक्त सचिव—अध्यक्ष 2. उप सचिव, निदेशक की पंक्ति के समतुल्य संबद्ध मकनीकी अधिकारी— —सदस्य 3. प्रशासन भारमाधक उप सचिव या निदेशक— सदस्य।	चयन प्रत्येक अवसर पर, संघ लोक सेवा आयोग के परामर्श से किया जाएगा। नियमों के किसी अपबन्ध को मंशोधित करते समय भी आयोग से परामर्श आवश्यक होगा।	

8	9	10	11	12	13
			पर नियुक्ति के लिए कर लिया जाता है तो यह माना जाएगा कि यह पद प्रोवेंति द्वारा भरा गया है।		
			(प्रतिनियुक्ति की अवधि साधारणतः 3 वर्ष से अधिक नहीं होगी।)		

[सं. ए० 12011/100/77-ई०एस०टी०टी०-1]

के० एस० बाजवा, अवर सचिव

MINISTRY OF COMMERCE, CIVIL SUPPLIES AND COOPERATION

(Department of Civil Supplies & Cooperation)

New Delhi, the 22nd September, 1979

G.S.R. 1238.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution and in supersession of the notification of the Government of India in the late Ministry of Food, Agriculture, Community Development and Cooperation (Department of Community Development and Cooperation) No. G.S.R. 2195 dated the 13th September, 1969, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Accountant in the Ministry of Commerce, Civil Supplies and Cooperation (Department of Civil Supplies and Cooperation), namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Ministry of Commerce, Civil Supplies and Cooperation (Department of Civil Supplies and Cooperation) Accountant Group 'B' (Ministerial-Non-Gazetted) Recruitment Rules, 1979.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number of posts, Classification and scale of pay.—The number of the said post, its classification and the scales of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the schedule hereto annexed.

3. Method of recruitment, age limit and other qualifications, etc.—The method of recruitment to the said post, age limit,

qualifications and other matters connected therewith shall be as specified in columns 5 to 13 of the Schedule aforesaid.

4. Disqualification.—No person, —

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to any of the said posts.

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax.—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing and in consultation with the Union Public Service Commission, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons or posts.

6. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservations, relaxation in the age limit and other concessions required to be provided to candidates belonging to the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

Recruitment Rules for the post of Accountant in the Ministry of Commerce, Civil Supplies and Cooperation (Department of Civil Supplies and Cooperation).

Name of post	No. of Posts	Classification	Scale of pay	Whether selection post or non-selection post	Age limit for direct recruits	Educational and other qualifications required for direct recruits
1	2	3	4	5	6	7
Accountant	6 (six)	General Central Service Group 'B' (Ministerial-Non-Gazetted).	Rs. 500-20-700-EB-25-900	Not applicable	Not applicable	Not applicable

Whether age and educational qualifications prescribed for the direct recruits will apply in the case of promotees.	Period of probation, if any	Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion or transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods	In case of recruitment by promotion/transfer, grades from which promotion to be made	If a DPC exists what is its composition	Circumstances in which UPSC is to be consulted while making recruitment
8	9	10	11	12	13
Not applicable	2 years	By promotion/transfer on deputation	Promotion/Transfer on deputation. Assistants of the Central Secretariat Service who have undergone training in cash and accounts work in Institute of Secretariat Training and Management with 3 years experience in Cash and accounts work falling which Subordinate Accounts Service Accountants/Subordinate Accounts Service passed clerk or officers of equivalent rank from any of the organised Accounts Department i.e., Indian Audit and Accounts Department, Indian Defence Accounts Department, Indian Civil Accounts Department, Indian Railway Accounts Department and Indian Posts & Telegraphs Accounts and Finance Department etc. The Departmental Accounts Clerk with 10 years regular service in the grade will also be considered and in case any of them is selected for appointment to the post, it will be treated as having been filled by promotion. (Period of deputation shall ordinarily not exceed 3 years).	Group 'B' DPC (for considering confirmation): 1. Joint - Secretary in-charge Administration—Chairman. 2. Technical Officer concerned equivalent to rank of Deputy Secretary/Director—Member 3. Deputy Secretary or Director in-charge of Administration—Member.	Selection on each occasion shall be made in consultation with the Union Public Service Commission. Consultation with the Commission also necessary while amending/ Relaxing any of the provisions of the rules.

[F. No. A-12011/100/77—Estt.I]
K.S. BAJWA, Under Secy.

उद्योग संचालय
(अखिल भारतीय हथकरघा बोर्ड)

नई दिल्ली, 12 सितम्बर, 1979

सां.कां.वि० 1239.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, अखिल भारतीय हथकरघा बोर्ड, नई दिल्ली के मुख्यालय में हस्तकौशल संग्रहालय में समूह "ग" पदों पर भर्ती की पद्धति को विनियमित करने वाले निम्नलिखित नियम बनाते हैं अर्थात्:—

- संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ.—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम अखिल भारतीय हथकरघा बोर्ड (अखिल भारतीय हथकरघा बोर्ड, नई दिल्ली के हस्तकौशल संग्रहालय में समूह "ग" पद) भर्ती नियम, 1978 है।
- (2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
- लागू होना:—ये नियम इससे उपाध्व अनुसूची के स्तम्भ 1 में विनिर्दिष्ट पदों को लागू होंगे।
- पद संख्या वर्गीकरण और वेतनमान:—उक्त पदों की संख्या उनका वर्गीकरण और उनके वेतनमान वे होंगे जो इससे उपाध्व अनुसूची के स्तम्भ 2 से 4 तक में विनिर्दिष्ट हैं।
- भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा और अर्हताएं आदि:—उक्त पदों पर भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, अर्हताएं और उससे/उनसे संबंधित अन्य बातें वे होंगी जो पूर्वोक्त अनुसूची के स्तम्भ 5 से 13 तक में विनिर्दिष्ट हैं।

परन्तु सीधे भर्ती के लिए उक्त अनुसूची के स्तम्भ 6 में विनिर्दिष्ट अधिकतम आयु-सीमा, केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य विशेष प्रवर्गों के अभ्यर्थियों के मामले में शिथिल की जा सकेगी।

5. निरहताएं—वह व्यक्ति—

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से, जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया हो या

(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया हो उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का समाधान हो जाए कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के अधीन अनुज्ञेय है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार मौजूद हैं तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी।

6. शिथिल करने की शक्ति—जहाँ केन्द्रीय सरकार की राय हो कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वहाँ वह, उसके लिए जो कारण हैं उन्हें लेखबद्ध करके, इन नियमों कि किसी उपबन्ध को किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों या पदों की भावत, आवेश द्वारा शिथिल कर सकेगी।

7. व्याप्ति—इन नियमों की कोई भी बात ऐसे आरक्षणों और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी, जिनका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबन्ध में समय-समय पर निकाले गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य विशेष प्रवर्गों के व्यक्तियों के लिए अपबन्ध करना अपेक्षित है।

अनुसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वैतनमान	चयन पद अथवा प्रचयन पद	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु सीमा	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए शैक्षिक और अन्य अर्हताएं
1	2	3	4	5	6	7
सकनीकी सहायक योजना स्कीम	1	साधारण केन्द्रीय सेवा, समूह "ग" अराजपक्षित अलिपक्षवर्गीय	425-15-500-ब०रो० रो०-15-560-20-700	प्रचयन	30 वर्ष (1) केन्द्रीय सरकारी कर्मचारियों के लिए 35 वर्ष तक शिथिल की जा सकती है। (2) विहित अधिकतम आयुसीमा अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों और अन्य विशेष प्रवर्गों के अभ्यर्थियों के मामले में केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए आदेशों के अनुसार शिथिल की जा सकती है। (3) प्रत्येक मामले में आयु सीमा का अवधारित करने की निर्णायक तारीख वह तारीख होगी जिस तक रोजगार कार्यालय से नाम भेजने के लिए कहा गया है।	(i) सामाजिक नृविज्ञान/प्राचीन भारतीय इतिहास और संस्कृति/अर्थशास्त्र में एम०ए० या नृविज्ञान/अर्थशास्त्र इतिहास में बी० ए० और संग्रहालय विज्ञान में डिप्लोमा (ii) हस्तकौशल के क्षेत्र में कार्य करने का कुछ अनुभव।
परिवीक्षा की अवधि यदि कोई हो	भर्ती की पद्धति/भर्ती सीधे होगी या प्रोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों की प्रतिशतता	सीधी भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित आयु और शैक्षिक अर्हताएं प्रोन्नत किए जाने वाले व्यक्तियों की वृत्ति में लागू होगी या नहीं	प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की दशा में वे श्रेणियां जिनसे प्रोन्नत/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया जाए	प्रोन्नति समिति है तो उसकी संरचना	भर्ती करने में टिप्पणी किन परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग द्वारा परामर्श किया जाएगा	

8	9	10	11	12	13	14
दो वर्ष	सीधी भर्ती द्वारा	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	हृयकरषा विकास आयुक्त, दो हृयकरषा निवेशक और अन्य कार्यालयों के दो प्रतिनिधि जो कि हृयकरषा विकास आयुक्त द्वारा मनोनीत किए जाएंगे, जिनमें से एक अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजातियों का प्रतिनिधि होगा।	लागू नहीं होता	—

[सं० एफ० 12/2/79-ए बी एस-IV]

एस०के० कटारिया, उप निदेश

MINISTRY OF INDUSTRY
(All India Handicrafts Board)

New Delhi, the 12th September, 1979

G.S.R. 1239.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to Group C posts in the Crafts Museum at Headquarters of the All India Handicrafts Board, New Delhi, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the All India Handicrafts Board (Group C posts in the Crafts Museum of the All India Handicrafts Board, New Delhi), Recruitment Rules, 1978.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Application.—They shall apply to the posts specified in column 1 of the Schedule annexed hereto.

3. Number of posts, classification and scale of pay.—The number of the said posts, their classification and scale of pay attached thereto, shall be as specified in columns 2 to 4 of the said schedule.

4. Method of recruitment, age limit and qualification, etc.—The method of recruitment to the said posts, age limit, qualifications and other matters relating thereto shall be as specified in columns 5 to 13 of the Schedule aforesaid :—

Provided that the upper age limit specified in column 6 of the said Schedule for direct recruitment may be relaxed in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued from time to time by the Central Government.

5. Disqualification.—No person —

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) who having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person, shall be eligible for appointment to any of the said posts :—

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from operation of this rule.

6. Power to relax.—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing, relax any of the provisions of these rules in respect of any class of category of persons or posts.

7. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservations and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

Name of post	No. of posts	Classification	Scale of pay	Whether selection post or non-selection post	Age limit for direct recruits	Educational and other qualifications required for direct recruits
1	2	3	4	5	6	7
Technical Assistant (Plan Scheme)	One	General Central Service Group 'C' Non-Gazetted Non-Ministerial	Rs. 425-15-500-EB-15-560-20-700.	Non-selection.	30 years. (1) Relaxable upto 35 years for Central Government Servants. (2) The upper age limit prescribed may be relaxed in the case of candidates belonging to Scheduled caste/Scheduled Tribe and other special categories of persons in accordance with the orders issued from time to time by the Central Government. (3) The crucial date for determining the age limit will in each case be the last date up to which the Employment Exchanges are asked to submit the names.	(i) M.A. in Social Anthropology/ Ancient Indian History and Culture/Economics. OR B.A. in Anthropology/Economics/History and Diploma in Museology. (ii) Some experience of work in the field of craft studies.

Method of recruitment, whether by direct recruitment or by promotion or by deputation or transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods	Period of Probation, if any	Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees	In case of recruitment by promotion or deputation or transfer, grades from which promotion or deputation or transfer to be made	If a Departmental promotion committee exists, what is its composition	Circumstances in which Union Public Service Commission is to be consulted in making recruitment.
8	9	10	11	12	13
Direct Recruitment. 2 years.		Not Applicable.	Not applicable.	Development Commissioner for Handicrafts, Two Directors of Handicrafts and two representatives from other offices to be nominated by Development Commissioner for Handicrafts, one of them being representative for Scheduled Caste/Scheduled Tribes.	Not applicable.

[No. F-12/79-Adm. IV]

S. K. KATARIA Dy. Director.

विदेश मंत्रालय

नई दिल्ली, 18 सितम्बर, 1979

सा० का० नि० 1240.—राष्ट्रपति संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारतीय विदेश सेवा, शाखा 'ख' (भर्ती, संवर्ग, वरीयता एवं पदोन्नति) नियम, 1964 में और प्रागे संशोधन करने के लिए एतद्वारा निम्नलिखित नियम बनाते हैं, नामतः :

- (1) इन नियमों को भारतीय विदेश सेवा शाखा 'ख' (भर्ती, संवर्ग, वरीयता एवं पदोन्नति) संशोधन नियम, 1979 कहा जाएगा।
- (2) ये नियम सरकारी राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

2. भारतीय विदेश सेवा शाखा 'ख' (भर्ती, संवर्ग, वरीयता एवं पदोन्नति) नियम 1964 के नियम 16 के उप नियम (4) में "रिक्तियों का पांच प्रतिशत से अधिक नहीं" शब्दों को स्थान पर "रिक्तियों का ऐसा प्रतिशत जो विभिन्न वर्गों के अन्तर्गत रिक्तियों के कुल आरक्षण के 50 प्रतिशत से बहुत या विशेष अधिक नहीं होगा" शब्द जोड़े जाएंगे।

[संख्या 1/जीए/79]

ए० सिन्हा, उप सचिव

MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS

New Delhi, the 18th September, 1979

G.S.R. 1240.—In exercise of the powers conferred by the proviso to Article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Indian Foreign Service, Branch 'B' (Recruitment, Cadre, Seniority and Promotion) Rules, 1964, namely :—

1. (1) These rules may be called the Indian Foreign Service Branch 'B' (Recruitment, Cadre, Seniority and Promotion) Amendment Rules, 1979.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In sub-rule (4) of rule 16 of the Indian Foreign Service Branch 'B' (Recruitment, Cadre, Seniority and Promotion) Rules, 1964, for the words "not more than five per cent of the vacancies", the words "such percentage of vacancies as will not cause reservations under all categories to

exceed substantially or significantly fifty per cent of the vacancies" shall be substituted.

[No. 1-GA/79]

A. SINHA, Deputy Secy.

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

(स्वास्थ्य विभाग)

नई दिल्ली, 15 सितम्बर, 1979

सा० का० नि० 1241.—श्रीषधि और प्रसाधन सामग्री नियम, 1954 में और संशोधन करने के लिए नियमों का एक प्रारूप, श्रीषधि और प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940 (1940 का 23) की धारा 12 और 33 द्वारा यथा अपेक्षित रूप में भारत सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय (स्वास्थ्य विभाग) की अधिसूचना सं० सा० का० नि० 64 (अ), तारीख 6 फरवरी, 1979 के अधीन भारत के राजपत्र, भ्रमाधारण, भाग 2, खंड 3, उपखंड (1) तारीख 6 फरवरी, 1979 पृष्ठ सं० 126 पर प्रकाशित किया गया था जिसमें उक्त अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से नब्बे दिन की अवधि की समाप्ति के पूर्व उन सभी व्यक्तियों से आपत्तियां और सुझाव मांगे गए थे, जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना थी,

और उक्त राजपत्र 20 फरवरी, 1979 को जनता को उपलब्ध करा दिया गया था,

और जनता से उक्त नियमों के प्रारूप पर कोई आपत्ति या सुझाव प्राप्त नहीं हुआ है।

अतः अब केन्द्रीय सरकार, श्रीषधि और प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940 (1940 का 23) की धारा 12 और 33 द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, श्रीषधि तकनीकी सलाहकार बोर्ड से परामर्श करने के पश्चात् श्रीषधि और प्रसाधन सामग्री नियम, 1945 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात्:—

1. (1) इन नियमों का नाम श्रीषधि और प्रसाधन सामग्री (द्वितीय संशोधन) नियम, 1979 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. औषधि और प्रसाधन सामग्री नियम, 1945 की अनुसूची ट में, विद्यमान प्रविष्टि 21 के पश्चात् निम्नलिखित प्रविष्टि अंतः स्थापित की जाएगी, अर्थात्:—

औषधि का वर्ग	कूट की शर्त और मोमा
"22 रेलगाड़ियों के उपाहार-कार और मर्तीय पोतां से घरगृहस्थी के काम की दवाइयों का विक्रय जिनके निम्नलिखित व्यक्ति द्वारा पर्यवेक्षण की आवश्यकता नहीं है।	अधिनियम के अध्याय 4 और उसके अधीन बनाए गए नियमों के उपबंध, जिनमें यह घोषणा की गई है कि वे दवाइयों निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहने हुए, विक्रय अनुमति के अन्तर्गत आएँ, अर्थात्:— (क) औषधियों के क्रय और विक्रय के अभिलेख ऐसी औषधियों के विक्रय के भारमाधक व्यक्ति के पास रखे जाएँगे। यह अभिलेख इस अधिनियम के अधीन नियुक्त निरीक्षक को, निरीक्षण के लिए, उपलब्ध रहेंगे; (ख) वह स्थान, जहाँ ऐसी औषधिमा सञ्चालित की जाती है, इस अधिनियम के अधीन नियुक्त निरीक्षक के, निरीक्षण के लिए, खुला रहेगा। यदि आवश्यक है तो निरीक्षक परीक्षण के लिए, समूचे ले सकेंगा।"

[सं० एक्स-11014/1/78 डीएम एस और पी एफ ए]

MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE
(Department of Health)

New Delhi, the 15th September, 1979

G.S.R. 1241: Whereas a draft of certain rules further to amend the Drugs and Cosmetics Rules, 1945 was published, as required by sections 12 and 33 of the Drugs and Cosmetics Act, 1940 (23 of 1940), at pages 125 to 126 of the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3—sub-section (i), dated the 6th February, 1979, under the notification of the Government of India in the Ministry of Health and Family Welfare (Department of Health) No. G.S.R. 64(E) dated the 6th February, 1979, inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected there by before the expiry of ninety days from the date on which the copies of the said Gazette are available to the public;

And Whereas the said Gazette was made available to the public on the 20th February, 1979;

And Whereas no objection and suggestions have been received from the public on the said draft rules;

Now, Therefore, in exercise of the powers conferred by sections 12 and 33 of the Drugs and Cosmetics Act, 1940 (23 of 1940), the Central Government, after consultation with the Drugs Technical Advisory Board, hereby makes the following rules further to amend the Drugs and Cosmetics Rules, 1945, namely:—

1. (1) These rules may be called the Drugs and Cosmetics (Second Amendment) Rules, 1979.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Drugs and Cosmetics Rules, 1945, in Schedule K, after the existing entry 21, the following entry shall be inserted, namely:—

Class of Drugs	Extent and conditions of exemption
"22. Sales from restaurant cars of trains and from coastal ships of household remedies which do not require the supervision of a qualified person for their sale.	The provisions of Chapter IV of the Act and the rules thereunder which require them to be covered by a sale licence, subject to the following conditions, namely:— (a) the records of purchase and sale of drugs shall be maintained by the person-in-charge of sale of such drugs, which shall be available for inspection by an Inspector appointed under the Act; (b) the place where such drugs are stocked shall be open to inspection by an Inspector appointed under the Act who can, if necessary, take samples for test."

[No. X-11014/1/78-DMS&PFA]

नई दिल्ली, 17 सितम्बर, 1979

सा० का० वि० 1242. — औषधि और प्रसाधन सामग्री नियम, 1945 में संशोधन करने के लिए नियमों का एक प्रारूप, औषधि और प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940 की धारा 12 और 33 द्वारा यथा अपेक्षित रूप में भारत सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय (स्वास्थ्य विभाग) की अधिसूचना संख्या सा० का० वि० 1075 (एक्स-11013/3/78-डी० एम० एस० और पी० एफ० ए०), तारीख 22 अगस्त, 1978 के अधीन भारत के राजपत्र, भाग 2, खंड 3, उपखंड (1) तारीख 2 सितम्बर, 1978, पृष्ठ 1994-1995 पर प्रकाशित किया गया था, जिसमें उक्त अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से नब्बे दिन की अवधि की समाप्ति के पूर्व उन सभी व्यक्तियों से आपत्तियों और सुझाव मांगे गए थे, जिनके उसके प्रभावित होने की संभावना थी।

और उक्त राजपत्र 23 दिसम्बर, 1978 को जनता की उपलब्ध करा दिया गया था;

और केन्द्रीय सरकार ने उक्त प्रारूप की बाबत प्राप्त आपत्तियों और सुझावों पर विचार कर लिया है।

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, औषधि तकनीकी सलाहकार समिति से परामर्श करने के पश्चात् उक्त अधिनियम की धारा 12 और 13 द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, औषधि और प्रसाधन सामग्री नियम, 1945 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात्:—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ:—

(1) इन नियमों का नाम औषधि और प्रसाधन सामग्री (तृतीय संशोधन) नियम, 1979 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. औषधि और प्रसाधन सामग्री नियम, 1945 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त नियम कहा गया है) के नियम 65 में—

(क) उपनियम (4) में, खंड (4) के स्थान पर निम्नलिखित खंड रखा जाएगा, अर्थात्:—

“(4)(1) अनुज्ञप्तिधारी विक्रय के लिए आशयित या फुटकर विक्रय की गई औषधि के क्रय का अभिलेख रखेगा। और अभिलेख में निम्नलिखित प्रविष्टियां दर्शायी जाएंगी, अर्थात्

(क) क्रय करने की तारीख,

(ख) उस व्यक्ति का नाम और पता जिससे क्रय किया गया है और उसके द्वारा धारित सुसंगत अनुज्ञप्ति का संख्यांक

(ग) औषधि का नाम, मात्रा और बैच संख्यांक, और

(घ) औषधि के विनिर्माता का नाम।

(2) अनुज्ञप्तिधारी क्रय-विल जिनमें नकद या उधार के मोमों भी सम्मिलित हैं, क्रय संख्यांक देते हुए, कालानुक्रम में रखेगा”;

(ख) उपनियम (5) में, खंड (3) के स्थान पर निम्नलिखित खंड रखा जाएगा, अर्थात्:—

“(3)(1) अनुज्ञप्तिधारी पुनः विक्रय के लिए आशयित या थोक में विक्रय की गई औषधि के क्रय का अभिलेख रखेगा और ऐसे अभिलेख में निम्नलिखित विविष्टियां दर्शायी जाएंगी, अर्थात्:—

(क) क्रय करने की तारीख;

(ख) ऐसे व्यक्ति का नाम और पता जिससे क्रय किया गया है और उसके द्वारा धारित सुसंगत अनुज्ञप्ति का संख्यांक;

(ग) औषधि का नाम, मात्रा और बैच संख्यांक; और

(घ) औषधि के विनिर्माता का नाम।

(2) अनुज्ञप्तिधारी क्रय-विल, जिनमें नकद या उधार के मोमों भी सम्मिलित हैं, क्रय संख्यांक देते हुए, कालानुक्रम में रखेगा।”

3. उक्त नियमों के नियम 66 के पश्चात् निम्नलिखित नियम अंतः स्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

“66क. अनुज्ञप्ति के रद्द हो जाने की वषा में औषधियों के व्ययन की प्रक्रिया,—(1) यदि कोई अनुज्ञप्तिधारी जिसकी, अनुज्ञप्ति रद्द कर दी गई है, अपने कब्जे में की औषधियों को उन परिसरों में जिनकी बाबत अनुज्ञप्ति रद्द की गई है, व्ययन करना चाहता है तो वह अनुज्ञापन प्राधिकारी को इस प्रयोजन के लिए निम्नलिखित विविष्टियां देते हुए, आवेदन करेगा, अर्थात्:—

(क) उस व्यक्ति का नाम और पता जिसको औषधियां विक्रय किए जाने या प्रेषण किए जाने का प्रस्ताव है। उसके साथ यथा-स्थिति, विक्रय या विनिर्माण के लिए उसके द्वारा धारित अनुज्ञप्ति संख्यांक भी होगा।

(ख) खंड (क) में उल्लिखित व्यक्ति को विक्रय के लिए प्रस्तावित औषधियों के नामों, उनकी मात्राओं, बैच संख्यांकों उनके विनिर्माताओं के नाम और पते तथा उनकी औषधियों की समाप्ति की तारीख, यदि कोई है।

(2) अनुज्ञापन प्राधिकारी, उपनियम (1) में निविष्ट विविष्टियों की परीक्षा करने के पश्चात् और यदि आवश्यक है तो निरीक्षण द्वारा उन परिसरों के, जहां वे औषधियां भंडार की गई हैं, निरीक्षण किए जाने के पश्चात्, उनके व्ययन के लिए आवश्यक अनुज्ञा देगा।”

4. उक्त नियमों के नियम 104 के पश्चात् निम्नलिखित नियम अंतः स्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

“104क. औषधि के आधानों पर अन्तर लेखों, लेबलों या रैपरों में परिवर्तन पर निषेध:—कोई भी व्यक्ति, किसी औषधि

के आधान, लेबल या रैपर पर विनिर्माता द्वारा बनाए गए या अभिलिखित किसी अन्तर्लेखों या चिह्नों को परिवर्तित, विगुप्त या बिगुप्त नहीं करेगा ?

परन्तु इस नियम की कोई बात, किसी औषधि के आधान, लेबल या रैपर के किसी अन्तर्लेखों या चिह्नों में, अनुज्ञापन प्राधिकारी के अनुरोध पर या निर्देश से या अनुज्ञा से किए गए, किसी परिवर्तन-को लागू नहीं होगी।”

5. उक्त नियमों के नियम 110क का लोप किया जाएगा।

6. उक्त नियमों की अनुसूची “ग” में, प्रविष्टि 14 के पश्चात् निम्नलिखित प्रविष्टि अंतः स्थापित की जाएगी, अर्थात्:—

“15 नेत्र—संबंधी निर्मितियां।”

[सं० एक्स० 11013/3/78-डी० एम० एस एण्ड डी० एफ० ए]

New Delhi, the 17th September, 1979

G.S.R. 1242.—Whereas certain draft rules further to amend the Drugs and Cosmetics Rules, 1945 were published as required by sections 12 and 33 of the Drugs and Cosmetics Act, 1940 (23 of 1940), at pages 1944 to 96 of the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (i) dated the 2nd September, 1978, under the notification of the Government of India in the Ministry of Health and Family Welfare (Department of Health) No. G.S.R. 1075 dated the 22nd August, 1978 inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected thereby, before the expiry of ninety days from the date on which the copies of the Official Gazette containing the said notification were made available to the public;

And whereas the said Gazette was made available to the public on the 23rd September, 1978;

And whereas the objections and suggestions received from the public on the said draft have been considered by the Central Government;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sections 12 and 33 of the said Act, the Central Government after consultation with the Drugs Technical Advisory Board, hereby makes the following rules further to amend the Drugs and Cosmetics Rule, 1945, namely:—

1. (1) These rules may be called the Drugs and Cosmetics (Third Amendment) Rules, 1979.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Drugs and Cosmetics Rules, 1945 (hereinafter referred to as the said rules), in rule 65, —

(a) in sub-rule (4), for clause (4), the following clause shall be substituted, namely:—

“(4) (i) Records of purchase of a drug intended for sale or sold by retail shall be maintained by the licensee and such records shall show the following particulars, namely:—

(a) the date of purchase,

(b) the name and address of the person from whom purchased and the number of the relevant licence held by him,

(c) the name of the drug, the quantity and the batch number, and

(d) the name of the manufacturer of the drug.

(ii) Purchase bills including cash or credit memos shall be serially numbered by the licensee and maintained by him in a chronological order,”;

(b) in sub-rule (5), for clause (3), the following clause shall be substituted, namely:—

“(3) (i) Records of purchase of a drug intended for resale or sold by wholesale shall be maintained by the licensee and such records shall show the following particulars, namely:—

(a) the date of purchase,

- (b) the name, address and the number of the relevant licence held by the person from whom purchased,
- (c) the name of the drug, the quantity and the batch number, and
- (d) the name of the manufacturer of the drug.
- (ii) Purchase bills including cash or credit memos shall be serially numbered by the licensee and maintained by him in a chronological order."
3. After rule 66 of the said rules, the following rule shall be inserted, namely :—

"66A. Procedure for disposal of drugs in the event of cancellation of licence.—(1) In case a licensee, whose licence has been cancelled, desires to dispose of the drugs he has in his possession in the premises in respect of which the licence has been cancelled, he shall apply in writing to the licensing authority for this purpose, giving the following particulars, namely :—

- (a) the name and address of the person to whom the drugs are proposed to be sold or supplied together with the number of the licence for sale or manufacture, as the case may be held by him.
- (b) the names of drugs together with their quantities, batch numbers, the names and addresses of their manufacturers and the dates of their expiry, if any, proposed to be sold to the person mentioned in clause (a).

(2) The licensing authority may, after examination of the particulars referred to in sub-rule (1) and, if necessary, after inspection by an Inspector of the premises where the drugs are stocked, grant the necessary permission for their disposal."

4. After rule 104 of the said rules, the following rule shall be inserted namely :—

"104A. Prohibition against altering inscriptions on containers, labels or wrappers of drug.—No person shall alter, obliterate or deface any inscription or mark made or recorded by the manufacturer on the container, label or wrapper of any drug.

Provided that nothing in this rule shall apply to any alteration, any inscription or mark made on the container, label or wrapper of any drug at the instance or direction or with the permission of the licensing authority."

5. Rule 110 A of the said rules shall be omitted.

6. In schedule C to the said rules, after entry 14th the following entry shall be inserted namely :—

"15. Ophthalmic preparations".

[No. X. 11013/3/78-DMS&PFA]

नई दिल्ली, 19 सितम्बर, 1979

सां. कां. निं. 1243 :—औषधि और प्रसाधन सामग्री नियम 1945 में और संशोधन करने के लिए कतिपय नियमों का प्रारूप औषधि और प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940 (1940 का 23) की धारा 12 और 33 की अपेक्षानुसार भारत के राजपत्र, भाग 2, खंड 3 उपखंड (1), तारीख 16 सितम्बर, 1978 के पृष्ठ 2132-2134 पर भारत सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय (स्वास्थ्य विभाग) की अधिसूचना संं. सां. कां. निं. 1139, तारीख 24 अगस्त, 1978 के अधीन प्रकाशित हुआ था जिसमें उन सभी व्यक्तियों से जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना थी राजपत्र में प्रारूप अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से नब्बे दिन के अवसान से पूर्व आक्षेप और सुझाव मांगे गए थे।

और उक्त राजपत्र जनता को 22 सितम्बर, 1978 को उपलब्ध करा दिया गया था ;

और केन्द्रीय सरकार ने उक्त प्रारूप पर जनता से प्राप्त आक्षेपों और सुझावों पर विचार कर लिया है ;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, औषधि और प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940 (1940 का 23) की धारा 12 और 33 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, औषधि तकनीकी सलाहकार बोर्ड से परामर्श करने के पश्चात्, औषधि और प्रसाधन सामग्री नियम, 1945 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम और औषधि और प्रसाधन सामग्री अधिनियम (संशोधन) नियम, 1979 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख की प्रवृत्त होंगे।

2. औषधि और प्रसाधन सामग्री नियम, 1945 में, अनुसूची 7 के स्थान पर निम्नलिखित अनुसूची रखी जाएगी, अर्थात् :—

"अनुसूची

(नियम 126 देखिए)

रोगाणुनाशी तरलों के मानक

भाग 1

(1) कृष्ण तरलों और श्वेत तरलों को लागू उपबंध :

1. वर्गीकरण : रोगाणुनाशियों को निम्नलिखित रूप में वर्गीकृत किया जाएगा :

(क) कृष्ण तरल

(ख) श्वेत तरल

(क) कृष्ण तरल : ये पैट्रोलियम, हाईड्रोकार्बनों सहित या उसके बिना, और/या अन्य किमोलिक आमिश्रों और उनके व्युत्पन्नों तथा अपयुक्त पायसीकारक से व्युत्पन्न कोलतार, अम्लों या समरूप अम्लों के गहरे भूरे रंग के समांगी चोल होंगे।

(ख) श्वेत तरल : ये पैट्रोलियम, हाईड्रोकार्बनों सहित या उनके बिना, और/या अन्य किमोलिक आमिश्रों और उनके व्युत्पन्नों से व्युत्पन्न अम्लों या समरूप अम्लों से बने, सूक्ष्म : परिक्षिप्त समांगी श्वेत से लेकर आफक्यूाइट इमलेशन होंगे।

2. श्रेणीकरण रोगाणुनाशी तरलों के उपर्युक्त वर्गों में से प्रत्येक को निम्नलिखित की बाजत न्यूनतम अपेक्षाओं के आधार पर वर्गीकृत किया जाएगा :—

राइडियल वाकर (भार० इन्स्यू०) गुणांक निम्नलिखित रूप में होगा :

श्रेणी	गुणांक (न्यूनतम)
1.	18
2.	10
3.	5

3. प्रकार : रोगाणुनाशक तरलों की उपर्युक्त श्रेणियों में से प्रत्येक श्रेणी, प्रत्येक प्रकार के सामने उपदक्षित ताप परास में स्थिर होगी। प्रकार निम्नलिखित पराम में स्थिर

(1) 15° से 45° से०

(2) 50° से 30° से०

4. अपेक्षाएं : रोगाणुनाशी तरलों के सभी वर्ग और श्रेणियां निम्नलिखित अपेक्षाओं के अनुरूप होंगी, अर्थात् :—

(1) अनुकरण के पश्चात् स्थिरता : जब इसमें इसके पश्चात् वर्णित पद्धति से परीक्षण किया जाए तब रोगाणुनाशी तरल कृत्रिम कठोर जल (कृष्ण तरलों के लिए) के साथ, अथवा कृत्रिम समुद्री जल (श्वेत तरलों के

लिए) के साथ, आयतन के एक प्रतिमान से पांच प्रतिमान तक सभी अनुपात में, मिश्रणीय होगा जिससे कि वह पायल मिले जो कि, अब उसे छठे घंटे तक प्रकार (1) प्रामाण्य के लिए 15° से 45° से पर तथा प्रकार (2) (शोतकाल) के लिए 5° से 30° से तक पर रखा जाए तब विशिष्ट नहीं होगा और न ही शीर्ष भाग या तल पर के तेल वृष्करण के बिना से अधिक दक्षित करेगा।

(2) जर्मनाशी मूल्य

राष्ट्रिय वाकर गुणकः—कृष्ण तरल और ध्वेत तरल का परीक्षण हममें इसके पश्चात् वर्णित पद्धति द्वारा, राष्ट्रिय वाकर गुणक (आर० डब्ल्यू० गुणक) के अन्वय के लिए किया जाएगा।

(3) भण्डारकरणः—सभी वर्णों के रोगाणुनाशी तरल मुद्ग इस्वात के या कनईदार मुद्ग इस्वात के या अन्य उपर्युक्त आघातों में भण्डारकृत किए जाएंगे। इन्हें जल्दवार बोहे के बने आघातों में भण्डारकृत नहीं किया जाएगा।

(4) लेबल लगाताः—इन नियमों के अन्य उपबंधों के अधीन रहते हुए, आघात पर के लेबल पर निम्नलिखित का विवरण देना होगाः—

- (1) उत्पाद का नाम,
- (2) विनिर्माता का नाम और पूरा पता
- (3) उत्पाद की श्रेणी, प्रकार और राष्ट्रिय वाकर गुणक
- (4) विनिर्माण की तारीख
- (5) आघात में विद्यमान मात्रा,
- (6) प्रयोग के संकेत और रीति, तथा
- (7) वह तारीख जिस तक उत्पाद का प्रयोग किया जा सकता है।

5 परीक्षण की प्रणाली :

(1) नमूने का तैयार किया जानाः—परीक्षण किए जाने के लिए रोगाणुनाशी तरल के नमूने की पूर्णतया मिश्रित किया जाना चाहिए और इस बात का ध्यान रखा जाना चाहिए कि परीक्षण के लिए किसी पत्राग के निकाले जाने के ठीक पहले तरल में कोई बायु न फंसे जाए। परीक्षण प्रयोग को नमूने के बोथ में से निकाला जाना चाहिए।

(2) तनुकरण के पश्चात् स्थिरता का परीक्षण करने की प्रणाली :

(क) कृत्रिम कठोर जल का तैयार किया जानाः—1 एन० हार्ड-ड्रोक्लोरिक एसिड (विश्लेषिक अभिकर्मक क्वालिटी) के 40 मि० लि० को क्लोरियम कार्बोनेट के किंचित आधिक्य के साथ निष्प्रभाविन किया जाता है और छान लिया जाता है। छत्रो यस्तु को आसुत जल के साथ 1000 मि० लि० तक तनुकृत किया जाता है। इस घोल के दस भागों को फिर आसुत जल के साथ सी भागों तक और अनुकृत किया जाता है।

(ख) कृत्रिम समुद्री जल का तैयार किया जानाः—27 ग्राम सोडियम क्लोराइड (विश्लेषिक अभिकर्मक क्वालिटी) और 5 ग्राम मैगनीशियम सल्फेट (विश्लेषिक अभिकर्मक क्वालिटी) को आसुत जल में घोला जाता है तथा एक हजार मि० लि० तक अनुकृत किया जाता है। बॉल को प्रयोग के पहले छान लिया जाता है।

(ग) प्रक्रियाः नमूने के 1 मि० लि० और 5 मि० लि० के प्रयोगों को दो जगह, सी मि० लि० वाले डाटदार मापक सिलिंडरों (आर० एम० 878-1956) में पिपेट द्वारा ले लीजिए। नमूनों को कृत्रिम कठोर जल या कृत्रिम समुद्री जल (जैसी भी स्थिति हों) के साथ 100 मि० लि० चिन्ह तक अनुकृत कीजिए। सिलिंडरों को पांच बार उलटा करके नमूने पूर्णतः मिश्रित कीजिए। तनुकृत तरलों वाले सिलिंडरों को, उस विशिष्ट प्रकार के लिए विनिर्दिष्ट ताप परास का परीक्षण

पर छह घंटे तक रखा। नमूना परीक्षण में पूरा उभरता है यदि उसके शीर्ष भाग और तल पर वृष्करण के बिना से अधिक कुछ भी न दिखाई दे।

(3) राष्ट्रिय वाकर गुणक (आर० डब्ल्यू०-सी०) के अवधारण की प्रणाली :

उपकरणः—आन्तरिक व्यास में चार मि० सी० का लूप, 28 एम० डब्ल्यू० जी०) 0.376 मि० सी० के प्लेटिनम इरोडियम मिश्रधातु के तार के सिरे पर, जो लूप से होल्डर तक 38 मि० मि० लंबा हो, घनाया जाता है। लूप तार को लम्बाई के साथ ऐसे कोण पर मोड़ा जाता है जिससे, कि तरल की सतह से ऊंचा उठाकर उसके निकाले जाने में सुविधा हो जबकि लूप का स्थान स्थिति बना रहे।

इन्सुलेटर 37° से 1° से पर सेट और संघारित पिपेट 10 मि० लि०, 5 मि० मि० और 1 मि० लि० की धारिता के मापक अंशांकित पिपेट।

पातन पिपेट 0.2 मि० लि० टपकाने के लिए निमित्त।

प्रीपिथ प्रयोग नलियां कठोर उदासीन कांच की बनी 125 मि० लि० × 20 मि० लि० (5 3/4") की रोगाणु रहित प्लगवार बिना रिम की 5 परख नलियां।

बोथ नलियां-प्रीपिथ प्रयोग जैसी एक ही प्रकार की लगभग दो दर्जन डाट-वार और अंशांकित मापक सिलिंडर-10 मि० लि० में अंशांकित 500 मि० लि०—एक

1 मि० लि० में अंशांकित 100 मि० लि०—पाच

सभी उपकरण उपयोग के ठीक पहले मावधानीपूर्वक स्वच्छ और रोगाणुरहित होने चाहिए।

अभिकर्मक (क) बोथः निम्नलिखित संघटकों का मिश्रण तैयार कीजिएः मांस निष्कर्ष (सूक्ष्म जैविकी श्रेणी) —20 ग्राम० पेन्टोन (सूक्ष्म जैविकी श्रेणी) -20 ग्राम०

सोडियम क्लोराइड—(अभिकर्मक क्वालिटी) — 10 ग्राम० आसुत जल-1000 मि० लि०

ठोस पदार्थों को आसुत जल में घोलिए। घोल को निष्प्रभाविन करने के लिए उसमें पर्याप्त सोडियम हाईड्रोक्लोराइड मिलाइए, फिर फास्फेट घटाने के लिए उसे उबालिए और गर्म दशा में ही छान लीजिए। इस प्रकार तैयार किए गए बोथ की प्रामाण्य हार्डड्रोक्लोरिक एसिड के साथ पी० एच० 7.6 तक समायोजित कीजिए। तब बोथ को 20 मिनट तक 15 पाउण्ड दाब पर ओटोक्लेव करके रोगाणुरहित कीजिए तब इसे छान लीजिए और रोगाणुरहित की गई बोथ नलियों में 5 मि० लि० मात्राओं में रखा। इस प्रकार तैयार की गई मोडिया की नलियां 10 मिनट तक 15 पाउण्ड दाब पर ओटोक्लेव करके रोगाणुरहित की जाती हैं। सोडियम का प्रतिम पी० एच० 7.3 से 7.5 के बोथ होना चाहिए। पुंश में या नलियों में प्रागे पुनः रोगाणुनाशन अनुवीय नहीं है।

(म) परीक्षण जीव-प्रयुक्त परीक्षण जीव सालमोनेला टाय्पी (एन० सी० टी० सी० 786) है जिसका उपयुक्त कल्चर निदेशक, केंद्रीय प्रीपिथ प्रयोगशाला, कलकत्ता से अभिप्राप्त किया जाएगा। इस कल्चर का, किसी न्यूट्रिएन्ट स्लोप अयर (जो उपर्युक्त रीति से तैयार किये गए बोथ में 2.5 प्रतिशत अयर-अयर (अवायु श्रेणी) का विलयन करके तैयार किया गया हो साप्ताहिक सब-कल्चर द्वारा, सब-कल्चर को 37° से 24 घंटे तक उकायित करके और तत्पश्चात् रेफ्रिजरेटर में 22° से नीचे के तापमान पर भण्डारण करके, अगुरुक्षण किया जाता है। परीक्षण के प्रयोजन के लिए न्यूट्रिएन्ट अयर स्लोप में बिलकुल हास ही के सब-कल्चर से थोड़ी सी अभिवृद्धि को आर० डब्ल्यू० बोथ की नली में रखा

जाता है और 35° से 0° पर 23 घंटे तक उत्प्रेषित किया जाता है। तब, मानक लूप भार मात्रा को दूसरी नली में अंतर्गुह्य किया जाता है और उसे पहले की तरह उत्प्रेषित किया जाता है। कोई परीक्षण किए जाने के पहले ऐसा कम से कम तीन बार किया जाता है। औषध में सब-कल्चर 14 दिन तक किया जाता है।

(ग) मानक फिनाल—सांख्यिकीय तौर पर शुद्ध फिनाल का निर्जर्म आमृत जल में 5 प्रतिशत इथेनॉल/डी घोल, जिसका फिस्टेशन बिन्दु 40.5° से कम न हो, तैयार किया जाता है। बनाए गए घोल के प्रति 95, 100, 105, 115 मि.लि. में एक ग्राम फिनाल डाले गए इस स्टाक घोल से परीक्षण तनुकरण तैयार किए जाते हैं। ये तनुकरण तैयार किए जाने के एक सप्ताह के भीतर उपयोग में लाए जाने चाहिए।

(घ) रोगाणुनाशी (नमूना) के परीक्षण तनुकरण—नमूना बैसे तैयार किया जाता है जैसे “नमूनों का तैयार किया जाना” के अन्तर्गत वर्णित है। परीक्षण के लिए 5 मि.लि. का हिस्सा निकाला जाता है और किसी 500 मि.लि. के फांच के ढाटवार निर्जर्म मापक सिनिडर में लगभग 480 मि.लि. निर्जर्म आमृत जल में छोड़ा जाता है और पिपेट को साफ प्रथम में तीन या अधिक बार खोला जाता है। तब उस सम्पूर्ण मात्रा को निर्जर्म आमृत जल से 500 मि.लि. तक कर लिया जाता है, सिनिडर को अनेक बार उल्टा करके पूर्णतः मिश्रित कर लिया जाता है। तब इस स्टाक घोल से तुरन्त निर्जर्म आमृत जल में उपर्युक्त परीक्षण तनुकरण तैयार किए जाते हैं।

प्रक्रिया—रोगाणुनाशी के 5 मि.लि. के 4 चुने हुए तनुकरण, बार औषधि प्रयोग नलियों में रखे जाते हैं जिन्हें तत्पश्चात् ऐसे रैक में रखा जाता है जिसमें 10° से 0° और 18° से 0° के बीच के स्थिर तापमान पर रखे गए जल इश्मक की व्यवस्था हो, प्रबलतम तनुकरण बाई और होगा। पांचवी औषधि प्रयोग नली जिसमें विशिष्ट फिनाल तनुकरण की 5 मि.लि. मात्रा हो, दाईं ओर रखी जाती है। जब औषधि प्रयोग नलियों की अंतर्वस्तु और परीक्षण जीव का औषध कल्चर जीरो टाइम पर शुरू होकर जल उष्मक के तापमान पर पहुँच गया हो तब कल्चर की 0.2 मि.लि. मात्रा बाई और की औषधि प्रयोग नली में मिला दी जाती है और नली को धीरे-धीरे हिलाया जाता है और 30 सेकंड में अन्तरालों पर प्रत्येक आनुवंशिक नली के साथ यही प्रक्रिया दोहरायी जाती है जब तक कि फिनाल नियंत्रण को संरोपित न कर दिया गया हो। इस अन्तिम परिवर्धन के 30 सेकंड अर्थात् (जो 2-1/2 मिनट) पश्चात् बिल्कुल बाई और की नली को भली भाँति हिलाई गयी अंतर्वस्तु की स्कनूम भर मात्रा निकाली जाती है और उसे 5 मि.लि. औषध मीडियम वाली नली में डाला जाता है। इसके 30 सेकंड पश्चात् द्वितीय औषधि प्रयोग नली पर ऐसी ही प्रक्रिया की जाती है। यह प्रक्रिया बाई और से दाईं ओर कार्य करते हुए, पांचों औषधि प्रयोग नलियों में से प्रत्येक के साथ 30 सेकंड के अन्तराल पर दोहराई जाती है, जब तक कि कल्चर के चार सेट अर्थात् उच्छादन के पश्चात् क्रमशः 2-1/2, 5, 7-1/2 और 10 मिनट पर, न बन गए हों। प्रत्येक बार निकाले जाने के समय यह सुनिश्चित करने की सावधानी बरती जानी चाहिए कि लूप तरल की सतह से ऊपर-ऊपर से इस प्रकार निकाला जाता चाहिए कि उसका तल अनुप्रस्थ रस्ते और परीक्षण नलियाँ पार्श्व को स्पर्श न करें। लूप को प्रत्येक संक्रिया के बीच ली से रोगानुरहित किया जाएगा जिसमें यह सावधानी बरती जानी चाहिए कि लूप पुनः प्रयुक्त किए जाने के पहले ठण्डा हो जाए। संरोपित औषध नलियाँ 37° से 0° पर कम से कम 48 घंटे तक और अधिक से अधिक 72 घंटे तक उत्प्रेषित की जाती हैं, जब परीक्षण जीवों की अभिवृद्धि दृष्टि करने वाली नलियाँ औषध की आखिलता द्वारा पहचानी जाएंगी।

गुणांक की संगणना—आर०डब्ल्यू० गुणांक, रोगाणुनाशी के उस तनुकरण को विभाजित करके अभिप्राप्त किया जाता है जो 2-1/2 और 5 मिनट में परीक्षण जीव का जीवन दर्शाता है किन्तु उसके पश्चात् फिनाल के उस तनुकरण द्वारा जिसकी यही अनुक्रिया होती है कोई जीवन दर्शाता नहीं होने।

636 GI/79—5

नमूने का एक प्ररूपी सेट नीचे दिया गया है :—

रोगाणुनाशी तनुकरणों के नमूने	उच्छादन का समय मिनटों में			
	2-1/2	5	7-1/2	10
1 : 1000	—	—	—	—
1 : 1100	+	—	—	—
1 : 1200	+	+	—	—
1 : 1300	+	+	+	—
पितायलनियंत्रण 1 : 100	+	+	—	—

(+ = अभिवृद्धि — = कोई अभिवृद्धि नहीं)

भाग—2

अन्य रोगाणुनाशी तरलों को लागू उपबन्ध—रोगाणुनाशी तरल जो उन रसायनों से भिन्न रसायन से तैयार किए जाते हैं जो इस अनुसूची के भाग 1 के नीचे विनिर्दिष्ट हैं, लेबल पर दशित सूत्र या संघटकों की सूची के अनुरूप होंगे।

लेबल लगाना—लेबल लगाने की वास्तव नियमों के उपबन्धों के अधीन रहते हुए, किसी आधान के लेबल पर निम्नलिखित का कथन होगा :—

- (1) उत्पाद का नाम,
- (2) विनिर्माता का नाम और पूरा पता,
- (3) निर्मित का पूरा सूत्र या संघटकों की सूची,
- (4) विनिर्माण की तारीख,
- (5) वह तारीख जिस तक उत्पाद का प्रयोग किया जा सकता है,
- (6) आधान में विद्यमान मात्रा, तथा
- (7) उपयोग के संकेत और रीति।

सांख्यिकीय संबंधी टिप्पण :

पारा आश्रितों को सभी श्रेणियों में से बिल्कुल ही निकाल दिया जाएगा।

[सं० एक्स० 11013/1/78-जी०एम०एस० एण्ड पी०एफ०ए०]

जी० पंचपकेशन, प्रवर सचिव

New Delhi, the 19th September, 1979

G.S.R. 1243.—Whereas certain draft rules further to amend the Drugs and Cosmetics Rules, 1945, were published as required by section 12 and 33 of the Drugs and Cosmetics Act, 1940 (23 of 1940) at pages 2132-2134 of the Gazette of India, Part II, Section 3 Sub-section (i), dated the 16th September, 1978 under the notification of the Government of India in the Ministry of Health and Family Welfare (Department of Health) No. G.S.R. 1139, dated the 24th August, 1978 inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected thereby before the expiry of ninety days from the date of publication of the draft notification in the Official Gazette;

And whereas the said Gazette was made available to the public on the 22nd September, 1978;

And whereas the objections and suggestions received from the public on the said draft have been considered by the Central Government;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sections 12 and 33 of the Drugs and Cosmetics Act, 1940 (23 of 1940), the Central Government, after consultation with the Drugs Technical Advisory Board, hereby makes the following rules further to amend the Drugs and Cosmetics Rules, 1945, namely :—

1. (1) These rules may be called the Drugs and Cosmetic

(Fourth Amendment) Rules, 1979.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.

(3) In the Drugs and Cosmetics Rules 1945, for Schedule O, the following Schedule shall be substituted, namely :—

“SCHEDULE O”

(See rule 126)

STANDARD FOR DISINFECTANT FLUIDS

Part I

Provision applicable to Black Fluids and White Fluids :

1. Classification—The disinfectants shall be classified as follows :—

(a) Black fluids :

(b) White fluids :

(A) Black fluids :

These shall be homogeneous dark brown solution of coal tar acids or similar acids derived from petroleum with or without hydrocarbons, and/or other phenolic compounds, and their derivatives and a suitable emulsifier.

(B) White fluids :

These shall be finely dispersed homogeneous white to off-white emulsion consisting of coal tar acids or similar acids derived from petroleum, with or without hydrocarbons, and/or other phenolic compounds, and their derivatives.

2. Gradation—Each of the above classes of disinfectant fluids shall be graded on the basis of the minimum requirements in respect of :—

Rideal Walker (RW) Coefficient as follows :—

Grade	Rideal Walker (RW) Coefficient (Minimum)
1.	18
2.	10
3.	5

3. Type—Each of the above grades of Disinfectant fluids shall be stable in the range of temperature indicated against each type—

Type	Stable in the range of
(I) Normal	15°C to 45°C
(II) Winter	5°C to 30°C

4. Requirements—All classes and grades of Disinfectant fluids shall comply with the following requirements, namely :—

(1) Stability after dilution—When tested by the method described hereinafter the Disinfectant fluid shall be miscible with artificial hard water (for Black fluids) or with artificial sea water (for White fluids) in all proportion from 1 per cent to 5 per cent by volume, to give emulsion which shall not break or show more than traces of separation of either top or bottom oil when kept for 6 hours at 15°C to 45°C for Type (I) (Normal) and 5°C to 30°C for Type (II) (Winter).

(2) Germicidal Value—

Rideal Walker Coefficient—Black fluids and White fluids shall be tested for the determination of Rideal Walker Coefficient (R.W. Coefficient) by the method described hereinafter.

(3) Storage—Disinfectant fluids of all classes shall be stored in mild steel, tinned mild steel or other suitable containers. These shall not be stored in containers made of galvanised iron.

(4) Labelling—Subject to the other provisions in these rules, the label on the container shall state :—

- the name of the product,
- the name and full address of the manufacturer,
- grade, type, R.W. Coefficient of product,
- date of manufacture,
- quantity present in the container,
- indications and mode of use, and
- date upto which the product can be used.

5. Method of testing—

(1) Preparation of sample : The sample of Disinfectant fluids to be tested should be mixed thoroughly taking care that no air is beaten into the fluid immediately before withdrawing any portion for testing. The rest portion should be withdrawn from the middle of the sample.

(2) Method of testing stability after dilution—

(a) Preparation of Artificial Hard Water : 40 ml. of 1N Hydrochloric Acid (Analytical Reagent Quality) is neutralised with a slight excess of Calcium Carbonate and filtered. The filtrate is diluted to 1000 ml. with distilled water, 10 parts of this solution is further diluted to 100 parts with distilled water.

(b) Preparation of Artificial Sea Water :—27 G of Sodium Chloride (Analytical Reagent Quality) and 5 G of Magnesium Sulphate (Analytical Reagent Quality) are dissolved in distilled water and diluted to 1000 ml. The solution is filtered before use.

(c) Procedure—Take 1 ml. and 5 ml. portions of the sample in duplicate in 100ml stoppered measuring cylinder (IS : 878—1956) by means of pipettes. Dilute the sample with artificial Hard water or Artificial Sea water (as the case may be) upto 10ml. mark. Mix thoroughly by inverting the cylinders 5 times. Keep the cylinders containing the diluted fluids for 6 hours at the extremes of the temperature range specified for the particular type. The sample complies with the test if the solution shows not more than a trace of separation at its top and bottom.

(3) Method of determination of Rideal Walker Coefficient (R.W.C.)

Apparatus—A loop, 4 mm in internal diameter is made at end of a 28 swg (0.376 mm) wire of platinum or platinum iridium alloy, 38 mm long from the loop to the holder. The loop is bent at such an angle to the length of the wire as well facilitate in removal vertically from the surface of the liquid while keeping the place of the loop horizontal.

Incubator—Set and maintained at 37°C \pm 1°C.

Pipettes—Standard graduated pipettes of capacity 10 ml.; 5 ml. and 1 ml.

Dropping Pipette—Made to deliver 0.2 ml.

Medication tubes—5 sterile plugged rimless test tubes 125 mm \times 22 mm (5" \times 3/4") made of hard neutral glass.

Broth tubes—About 2 dozens of the same description as medication tubes.

Standard measuring cylinders stopped and graduated—500 ml. graduated in 10 ml.—one 100 ml. graduated 1 ml.—five. All apparatus must be scrupulously clean and sterile immediately before use.

Reagents.—(a) Broth—Prepare a mixture of the following ingredients :

Meat extract (Microbiological grade) 20 g. Peptone (Microbiological grade) 20 g. Sodium Chloride (Regent Quality) 10 g. Distilled Water—1000 ml.

Dissolve the solids in distilled water. Add sufficient sodium hydroxide to neutralise the solution; then boil it to bring down phosphates and filter while hot. The broth thus prepared is then adjusted to pH 7.6 with normal Hydrochloric acid. The broth is then sterilised by autoclaving at 15 lbs. pressure for 20 minutes. It is then filtered and placed in 5 ml. quantities in sterilised broth tubes. The tubes of media thus prepared are sterilised by autoclaving at 15 Lbs. pressure for 10 minutes. The final pH of the medium should lie between 7.3 and 7.5. Further resterilisation in bulk or in tubes is not permissible.

(b) Test Organism—The test organism used is *Salmonella typhi* (NCTC 786) of which suitable culture shall be obtained from the Director, Central Drugs Laboratory, Calcutta. This culture is maintained by weekly sub-culture on a nutrient agar slope (made by dissolving 2.5 per cent Agar Agar (Bacteriological grade) in the broth prepared as above), incubating the sub-culture for 24 hours at 37°C and then storing in refrigerator at a temperature below 22°C. For the purpose of the test a little of the growth from the most recent sub-culture in nutrient agar slope is placed in tube of R.W. broth and incubated for 23 hours at 38°C. A standard loopful is then transferred to a second tube and incubated as before. This is done for at least three times before a test is carried out. Sub-culturing in broth is limited to 14 days.

(c) Standard Phenol : 5 per cent W/V solution in sterile distilled water of chemically pure phenol having a crystallising point of not less than 40.5°C is prepared. Test dilutions are prepared from this stock solution containing 1 g of phenol in each 95, 100, 105, 115 ml. of the solution made. These dilutions shall be used within a week of preparation.

(d) Test dilutions of Disinfectant (sample)—The sample is prepared as described under "Preparation of samples". A test portion of 5 ml. is withdrawn and discharged into about 480 ml. of sterile distilled water in a 500 ml. glass stoppered sterile measuring cylinder and the pipette is rinsed three times or more in the clear liquid. The whole is then made up to 500 ml with sterile distilled water, the cylinder is stoppered and the contents thoroughly mixed by inverting the cylinder several times. Suitable test dilutions in sterile distilled water are then immediately prepared from this stock solution.

Procedure : 5 ml. of 4 chosen dilutions of the disinfectant are placed in 4 medication tubes which are then placed in a rack provided with water bath maintained at a constant temperature between 17°C and 19°C, with the strongest dilution on the left. The fifth medication tube containing 5 ml. of the particular phenol dilution is placed on the right. When the content on the medication tubes and broth culture of the test organism have reached the temperature of the water bath, starting at Zero time, 0.2 ml. of the culture is added to the left hand medication tube and the tube is shaken gently. After 30 seconds the next tube is inoculated similarly and the process is repeated with each successive tube at intervals of 30 seconds until the phenol control has been inoculated. Thirty seconds after this last addition (that is 2-1/2 minutes from zero) a loopful of the well shaken content of the tube at the extreme left is withdrawn and placed in tube containing 5 ml. of the broth medium. Thirty seconds after this, similar operation is performed on the second medication tube. The procedure is repeated at an interval of 30 seconds with each of the 5 medication tubes working from left to right until 4 sets of cultures have been made i.e. at 2-1/2, 5, 7-1/2, and 10 minutes respectively after exposure. In each withdrawal care should be taken to ensure that the loop is removed vertically from the surface of the liquid with its plane horizontally and without touching the side of the test tubes. The loop shall be sterilized by flaming between each operation, care being taken that the loop is cooled before being again used. The inoculated broth tubes are incubated for not less than 48 hours and not more than 72 hours at 37°C, when the tubes showing growth of the test organisms will be recognised by turbidity of the broth.

Calculation of Coefficient—The R.W. Coefficient is obtained by dividing that dilution of the disinfectant which shows life of test organism in 2-1/2 and 5 minutes but no life thereafter by that dilution of the phenol which gives the same response. A typical set of sample is given below :

Sample disinfectants Dilutions		Time of exposures in minutes	
		2½	5 7½ 10
1 : 1000	—	—	—
	R.W. Coefficient		1200
			= — = 12
			100

1 : 1100	+	—	—	—
1 : 1200	—	+	—	—
1 : 1300	+	+	—	—

Phenol Control

1 : 100	+	+	—	—
---------	---	---	---	---

(+ = growth

— = No growth)

PART II

Provisions applicable to other Disinfectant fluids :

Disinfectant fluids which are made with chemicals other than those specified under Part I of this Schedule shall conform to the formula or list of ingredients shown on the label.

Labelling : Subject to the provisions of rules on labelling, the label of container shall state :—

- the name of the product;
- the name and full address of the manufacturer,
- the full formula or list of ingredients of the preparation;
- date of manufacture;
- date upto which the product can be used;
- quantity present in the container, and
- indications and mode of use.

Cautionary note :

Mercury compounds shall be strictly excluded from all grades.

[No. X. 11013/1/78-DMS & PFA]
G. PANCHAPAKESAN, Under Secy.

कृषि और सिंचाई मंत्रालय

(कृषि और सहकारिता विभाग)

नई दिल्ली, 19 सितम्बर, 1979

सांकांवि० 1244.—फरीदाबाद स्थित केन्द्रीय भूमिगत जल मंडल के मुख्यालय में 650-1200 रु० के वेतनमान में लेखा अधिकारी के दो पदों को तत्काल से उसी वेतनमान में महायुक्त प्रशासनिक अधिकारी के पदों की संज्ञा दी जाती है।

[सं० 21-3/79-एम०आई०(ए०)]

के० एम० चड्ढा, उप-सचिव

MINISTRY OF AGRICULTURE & IRRIGATION

(Department of Agriculture)

New Delhi, the 19th September, 1979

G.S.R. 1244.—Two posts of Accounts Officer in the pay scale of Rs. 650—1200 at the Headquarters of the Central Ground Water Board, Faridabad are hereby re-designated as Assistant Administrative Officer in the same scale of pay with immediate effect.

[No. 21-3/79-MI(A)]

K. M. CHADHA, Dy. Secy.

(खाद्य विभाग)

नई दिल्ली, 18 सितम्बर, 1979

सां.कां.वि. 1245.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग करते हुए, खाद्य तथा पोषाहार बोर्ड (समूह ग और समूह घ पद) भर्ती नियम, 1975 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाने हैं अर्थात्:—

- (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम खाद्य तथा पोषाहार बोर्ड (समूह ग और समूह घ पद) भर्ती (द्वितीय संशोधन) नियम, 1979 है।

- (2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे:—

2. खाद्य तथा पोषाहार बोर्ड (समूह ग और समूह घ पद) भर्ती नियम 1975 की अनुसूची में ग्राइडर तथा मैकेनिक के पद से संबंधित क्रम सं० 9 के सामने स्तम्भ 7 में, "आवश्यक" शीर्ष के नीचे "मोटर गाड़ियों के चलाने की अनुज्ञप्ति" शब्दों के स्थान पर "भारी मोटर यानों के चलाने की अनुज्ञप्ति" शब्द रखे जायेंगे।

[फा० सं० 1/9/79-एफ०एन०बी०]
सी० इंग्लियाना, डेस्क अधिकारी

(Department of Food)

New Delhi, the 18th September, 1979

G.S.R. 1245.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Food and Nutrition Board (Group C and Group D Posts) Recruitment Rules, 1975, namely:—

- (1) These rules may be called the Food and Nutrition Board (Group C and Group D Posts) Recruitment (Second Amendment) Rules, 1979.

- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Schedule to the Food and Nutrition Board (Group C and Group D Posts) Recruitment Rules, 1975, against serial number 9, relating to the post of Driver-cum-Mechanic, in column 7, under the heading "Essential", for words "A licence for driving motor vehicles", the words "A licence for driving heavy motor vehicles" shall be substituted.

[F. No. 1/9/79-PNB I]
C. ENGLIANA, Desk Officer

(कृषि विभाग)

नई दिल्ली, 24 सितम्बर, 1979

सां.कां.वि. 1246.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, कृषि विमानन निदेशालय (मुख्य इंजीनियर) भर्ती नियम, 1978 में संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:—

- (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम कृषि विमानन निदेशालय (मुख्य इंजीनियर) भर्ती (संशोधन) नियम, 1979 है।

- (2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. कृषि विमानन निदेशालय (मुख्य इंजीनियर) भर्ती नियम, 1978 की अनुसूची में:—

- (क) स्तम्भ 7 में, प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएगी, अर्थात्:—

आवश्यक:

- (i) किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से बैमानिक या यांत्रिक इंजीनियरी में उपाधि या समतुल्य।
- (ii) वायुयान के अनुपक्षण सम्मत तथा शोषण करने में इंजीनियर के रूप में 15 वर्ष का अनुभव, जिसमें से 5 वर्ष का

अनुभव किसी बड़े विमानन संगठन में मुख्य इंजीनियर/उप-मुख्य इंजीनियर या समतुल्य जैसे उत्तरदायित्वपूर्ण ओहदे पर होना चाहिए।

- (iii) किसी विमानन संगठन में, तकनीकी प्रशासन, जिसके अन्तर्गत विमानन भंडार प्रबंध भी है, में अनुभव।

(अर्हताएं, अथवा सुसहित अभ्यर्थियों के मामले में संघ आंक सेवा आयोग के विवेकानुसार शिथिल की जा सकती है, विशिष्ट रूप से अनुभव संबंधी अर्हता अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के अभ्यर्थियों के मामले में उनके लिए आरक्षित पदों के लिए शिथिल की जा सकती है)।

वांछनीय:

- (1) कृषि विमानन में अनुभव।
- (2) "नागर विमानन नियमों तथा विनियमों का ज्ञान"
- (ख) स्तम्भ 8 में प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएगी, अर्थात्:—

"आयु:—नहीं
शैक्षिक अर्हताएं—हां"

- (ग) स्तम्भ 11 में, प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएगी, अर्थात्:—

"प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण:

भारतीय वायु सेवा में ए०ई०(एम०) शाखा के विंग कमांडर की पंक्ति के अधिकारी अथवा नागर विमानन महानिदेशालय में निदेशक की पंक्ति के अधिकारी और सीधी भर्ती के लिए स्तम्भ 7 में विहित शैक्षिक अर्हताएं और अनुभव रखता हो।

ऐसे विभागीय उप-मुख्य इंजीनियर पर भी विचार किया जाएगा, जिसने उस श्रेणी में 3 वर्ष नियमित सेवा की है।

यदि नियुक्ति के लिए उसका खयन कर लिया जाता है तो यह माना जाएगा कि वह पद प्रोन्नति द्वारा भरा गया है।

(प्रतिनियुक्ति की अवधि साधारणतः 4 वर्ष से अधिक नहीं होगी)।

[संख्या 25-5/76-पी०पी०एस०]
एम० विरचनाथन, अवर सचिव

(Department of Agriculture)

New Delhi, the 24th September, 1979

G.S.R. 1246.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the president hereby makes the following rules to amend the Directorate of Agricultural Aviation (Chief Engineer) Recruitment Rules, 1978, namely:—

- (1) These rules may be called the Directorate of Agricultural Aviation (Chief Engineer) Recruitment (Amendment) Rules, 1979.

- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Schedule to the Directorate of Agricultural Aviation (Chief Engineer) Recruitment Rules, 1978,—

- (a) in column 7, for the entry, the following entry shall be substituted, namely:—

"Essential:

- (i) Degree in Aeronautical or Mechanical Engineering of a recognised University or equivalent.
- (ii) 15 years' experience as Engineer in aircraft maintenance, repair and overhaul out of which 5 years should be in a responsible position like Chief Engineer/Deputy Chief Engineer or equivalent in a large, aviation organisation.

(iii) Experience in Technical administrative in an aviation organisation, including aviation stores management.

(Qualifications relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission in case of candidates otherwise well qualified, in particular, the qualification regarding experience is relaxable in case of candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes for the posts reserved for them.

Desirable :

- (i) Experience in agricultural aviation.
- (ii) Knowledge of Civil Aviation rules, and regulations.
- (b) in column 8, for the entry, the following shall be substituted, namely :—

"Age—No;

Educational Qualifications—Yes";

- (c) in column 11, for the entry, the following entry shall be substituted, namely :—

"Promotion/Transfer on deputation.

Officers of the rank of Wing Commander of the AF(M) Branch of the Indian Air Force or of the rank of Director in the Directorate General of Civil Aviation and possessing the educational qualification and experience prescribed for direct recruitments under column 7.

The Departmental Deputy Chief Engineer with 3 years' regular service in the grade shall also be considered and in case he is selected for appointment, the post shall be treated to have been filled by promotion.

(period of deputation shall ordinarily not exceed four years)".

[No. 25-5/76-PPS]

S. VISWANATHAN, Under Secy.

शिक्षा एवं समाज कल्याण मंत्रालय

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण

(संस्कृति विभाग)

शुद्धि पत्र

नई दिल्ली 26 सितम्बर, 1979

सां. कां. नि. 1247.—भारत के राजपत्र असाधारण के भाग II खण्ड 3, उपखण्ड (i) तारीख 10 अगस्त, 1979 की पृष्ठ संख्या-973 से 974 में प्रकाशित पुरातत्व सर्वेक्षण की अधिसूचना सां. कां. नि. 477 (घ) में.....

पृष्ठ संख्या—974 पर

क्रम संख्या 5 में, "एन० सेरिच" के स्थान पर, "एन रोरिच" पढ़ा जाए।

बाल कृष्ण थापर, महानिदेशक
भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण तथा पदेन संयुक्त सचिव

नौवहन और परिवहन मंत्रालय

(परिवहन पक्ष)

नई दिल्ली, 21 सितम्बर, 1979

सां. कां. नि. 1248.—महापत्तन न्यास अधिनियम, 1963 (1963 का 38) की धारा 124 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एन० द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 28 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए बम्बई पत्तन के न्यासी-मण्डल द्वारा निर्मित और महाराष्ट्र सरकार के तारीख 15 मार्च, 1979 और 22

मार्च, 1979 के राजपत्र में प्रकाशित बम्बई पत्तन न्यास (सेवा निवृत्ति कर्मचारियों का अनुग्रहपूर्वक पेंशन) (संशोधन) विनियम, 1979 का अनुमोदन करती है।

[सं० पी०ई० सी०-27/79]

एम०आर० गोंधवाल, अधीक्षक सचिव

MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT

(Transport Wing)

New Delhi, the 21st September, 1979

G.S.R. 1248.—In exercise of the powers conferred by sub-section (i) of section 124 of the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963), the Central Government hereby approve of the Regulations entitled 'Bombay Port Trust (Grant of Ex-gratia Pension to Retired Employees) (Amendment) Regulations, 1979' made by the Board of Trustees of the Port of Bombay in exercise of the powers conferred by clause (b) of section 28 of the said Act and published in the Maharashtra Government Gazette dated the 15th March, 1979 and the 22nd March, 1979.

[No. PEB-27/79]

M. R. GATHWAL, Under Secy.

नई दिल्ली, 24 सितम्बर, 1979

सां. कां. नि. 1249.—भारतीय पत्तन अधिनियम, 1908 (1908 का 15) की धारा 35 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार मद्रास पत्तन मार्गदर्शन तथा अन्य कार्य (फीस) आदेश, 1975 में कुछ और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित आदेश बनाती है, अर्थात् :—

1. (1) इस आदेश का नाम मद्रास पत्तन मार्गदर्शन तथा अन्य कार्य (फीस) संशोधन आदेश, 1979 है।

- (2) यह तुरन्त लागू होगा।

- 2 मद्रास पत्तन मार्गदर्शन तथा अन्य कार्य (फीस) आदेश, 1975 में,—

- (1) खंड 3 में,—

(क) उपखंड (4) में गारण्टी के बाद निम्नलिखित टिप्पणी रखी जाए, अर्थात् :—

"टिप्पणी:—इस प्रयोजन के लिए, जिन समय पाइलट जहाज में चढ़ेगा उस समय को नौचालन शुरू होने का समय माना जाएगा।"

- (ख) उपखंड (5) में, टिप्पणी की मद 2 के बाद, निम्नलिखित मद रखी जाए, अर्थात् :—

"(3) यदि हन उपखंड के अन्तर्गत प्रभारों के भुगतान के बारे में कोई सन्देह उत्पन्न हो तो मामला अध्यक्ष को भेजा जाएगा जो उसका निर्णय करेंगे।"

- (2) खंड 5 के उपखंड (3) की मद (ख) में गारण्टी के नीचे की टिप्पणी में, "निस्तारण" शब्द के स्थान पर "गोताखोर" शब्द रखा जाए,

- (3) अनुसूची में,—

(क) पैरा 2 के उप-पैरा (ग) की मद (1) में, "रु० 12.50" संक्षिप्त रूप और अंकों के स्थान पर "रु० 15.00" संक्षिप्त रूप और अंक रखे जाएं,

(ख) पैरा 4 में, "रु० 120.00" संक्षिप्त रूप तथा अंकों के स्थान पर "रु० 180.00" संक्षिप्त रूप तथा अंक रखे जाएं।

[सां० सं० पी०जी०आर०-104/77]

मुद्रार्थन वसुदेव, उप-सचिव

MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT (Transport Wing)

New Delhi, the 24th September, 1979

G.S.R. 1249.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 35 of the Indian Ports Act, 1908 (15 of 1908), the Central Government hereby makes the following Order further to amend the Port of Madras Pilotage and Other Services (Fees) Order, 1975, namely :—

1. (1) This Order may be called the Port of Madras Pilotage and Other Services (Fees) Amendment Order, 1979.

(2) It shall come into force at once.

2. In the Port of Madras Pilotage and Other Services (Fees) Order, 1975 :—

(1) in clause 3—

(a) in sub-clause (4) the following Note shall be inserted at the end of the "Table", namely :—

"Note.—For this purpose the time of boarding the vessel by the Pilot shall be deemed as the Commencement of navigation;"

(b) in sub-clause (5), after item (2) of the Note, the following item shall be inserted, namely :—

"(3) If any doubt arises about the payment of charges under this sub-clause, the matter shall be referred to the Chairman who shall decide the same;"

(2) in item (b) of sub-clause (3) of clause 5, in Note 1 below the Table, for the word "Salvage", the word "Divers" shall be substituted ;

(3) in the Schedule—

(a) in item (i) of sub-paragraph (c) of paragraph 2, for the abbreviations and figures "Rs. 12-50", the abbreviations and figures "Rs. 15-00" shall be substituted ;

(b) in paragraph 4, for the abbreviations and figures "Rs. 120-00", the abbreviations and figures "Rs. 180.00" shall be substituted.

[F. No. PGR-104/77]

S. VASUDEVA, Dy. Secy.

नई दिल्ली, 24 सितम्बर, 1979

सं० का० नि० 1251—मोटर यान (संरक्षी शिरस्त्राण) नियम, 1979 का निम्नलिखित प्रारूप जिसे केन्द्रीय सरकार मोटरयान (संशोधन) अधिनियम, 1977 की धारा 8 के प्रवृत्त हो जाने पर यथावधिमान मोटरयान अधिनियम, 1939 (1939 का 4) के संशोधन के पश्चात् की धारा 85-क द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और साधारण सड़क अधिनियम, 1897 (1897 का 10) की धारा 22 के साथ पठित मोटरयान अधिनियम, 1939 (1939 का 4) की धारा 133 की उपधारा (1) की अपेक्षानुसार उन सभी व्यक्तियों की जानकारी के लिए प्रकाशित किया जा रहा है जिनके उगम प्रभावित होने की संभावना है और इनके द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस प्रारूप पर इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से पैंतासिस दिन की अवधि समाप्त हो जाने पर विचार किया जाएगा। उपरोक्त पैंतासिस दिन की अवधि समाप्त होने से पूर्व नियमों के एक प्रारूप की बाबत जो भी आपत्ति या सुझाव किसी व्यक्ति से प्राप्त होंगे, केन्द्रीय सरकार उनपर विचार करेगी।

नियमों का प्रारूप

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ :—(1) इन नियमों का नाम मोटरयान (संरक्षी शिरस्त्राण) नियम, 1979 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को या उस तारीख को जिसको मोटरयान (संशोधन) अधिनियम, 1977 (1977 का 27) प्रवृत्त होता है, इनमें से जो भी पश्चात्पक्षी है, प्रवृत्त होंगे।

2. संरक्षी शिरस्त्राण के विवरण संबंधी विनिर्देश :—किसी भी वर्ग को मोटर सायकिल का चालक या (साइड-कार को छोड़कर) उस पर सवारी करने वाला प्रत्येक व्यक्ति जब वह किसी सार्वजनिक स्थान में है

ऐसे वर्णन का कोई संरक्षी शिरस्त्राण पहनेगा, जो समय-समय पर यथा-संशोधित भारतीय मानक संस्थान के विनिर्देशन सं० मा०मा० 415-1976 के अनुरूप है।

3. सिख महिला की दशा में अपवाद :—मोटरयान अधिनियम, 1939 (1939 का 4) की धारा 85-क के उपबन्ध किसी ऐसी महिला को लागू नहीं होंगे जो सिख है।

[सं० टी०जी०एम० (54)/78]

बी०आर० चव्हाण, उ०-सचिव

New Delhi, the 24th September, 1979

G.S.R. 1250.—The following draft of the Motor Vehicles (Protective Headgears) Rules, 1979, which the Central Government proposes to make in exercise of the powers conferred by section 85A of the Motor Vehicles Act, 1939 (4 of 1939), as it will stand amended after section 8 of the Motor Vehicles (Amendment) Act, 1977 (27 of 1977) is brought into force, is hereby published as required by sub-section (1) of section 133 of the Motor Vehicles Act, 1939 (4 of 1939), read with section 22 of the General Clauses Act, 1897 (10 of 1897), for the information of all persons likely to be affected thereby; and notice is hereby given that the said draft will be taken into consideration on or after the expiry of a period of forty-five days from the date of publication of this notification in the Official Gazette. Any objections or suggestions which may be received from any person with respect to the said draft rules, before the expiry of the said period of forty-five days, will be considered by the Central Government.

DRAFT RULES

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Motor Vehicles (Protective Headgears) Rules, 1979.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette or on the date on which section 8 of the Motor Vehicles (Amendment) Act, 1977 (27 of 1977) is brought into force, whichever is later.

2. Specification of the description of a protective headgear.—Every person driving or riding (otherwise than in a side car) on a motor cycle of any class shall, while in a public place, wear a protective headgear of such description as conforms to the Indian Standards Institution Specification No. I.S. : 4151—1976 as amended from time to time.

3. Exception in the case of Sikh women.—The provisions of section 85A of the Motor Vehicles Act, 1939 (4 of 1939) shall not apply to a woman who is a Sikh.

[No. TGM(54)/78]

B. R. CHAVAN, Dy. Secy.

MINISTRY OF WORKS AND HOUSING

New Delhi, the 3rd September, 1979

CORRIGENDUM

G.S.R. 1251.—In the Central Electrical and Mechanical Engineering Service Group 'A' Recruitment (Amendment) Rules, 1979 published in the Gazette of India Part II Section 3, Sub-section (1) dated the 12th May, 1979 (G.S.R. 690), the word "abotting" occurring in rule 13(xi) may be corrected to read as "abetting".

[No. 22011A(4)/75-EWI]

S. RANGANATHAN, Under Secy.

निर्माण और आवास मंत्रालय

नई दिल्ली 5 सितम्बर, 1979

सा० का० नि० 1252.—संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति, राष्ट्रीय भवन (निर्माण) संगठन (ग्रुप 'क') सम्पर्क अधिकारी भर्ती नियमावली, 1978 में संशोधन करने के लिए, एतद्वारा निम्नलिखित नियम बनाने हैं, नामतः—

1 ये नियम राष्ट्रीय भवन (निर्माण) संगठन (ग्रुप 'क') सम्पर्क अधिकारी भर्ती (संशोधन) नियम, 1979 कहलायेंगे।

2 ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

3 राष्ट्रीय भवन (निर्माण) संगठन (ग्रुप 'क') सम्पर्क अधिकारी भर्ती नियमावली, 1978 की अनुसूची में—

(1) कालम 12 की प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि की जाए, नामतः:

“लागू नहीं होता”

(2) कालम 13 में की प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि की जाए, नामतः:

“प्रत्येक अवसर पर चयन संघ लोक सेवा आयोग के परामर्श से किया जाए और नियमों में छूट देने अप्रत्याशित संशोधन करने के लिए शक्तियों का प्रयोग करते समय भी उनसे परामर्श किया जाए।”

[संख्या ए०-12034/10/78-प्रशासन]

वीना ब्रह्मा, अवसर सचिव

MINISTRY OF WORKS AND HOUSING

New Delhi, the 5th September, 1979

G.S.R. 1252.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules to amend the National Buildings Organisation (Group 'A') Liaison Officer Recruitment Rules, 1978, namely :—

1. These rules may be called the National Buildings Organisation (Group 'A') Liaison Officer Recruitment (Amendment) Rules, 1979.

2. They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

3. In the Schedule to the National Buildings Organisation (Group 'A') Liaison Officer Recruitment Rules, 1978,—

(i) for the entry in Column 12, the following entry shall be substituted, namely :—

“Not Applicable”

(ii) for the entry in Column 13, the following shall be substituted, namely :—

“The selection on each occasion shall be made in consultation with the Union Public Service Commission and they shall also be consulted while exercising powers to relax or amend the rules.”

[No. A-12034/10/78-Admn.]

VEENA BRAHMA, Under Secy.

संचार मंत्रालय

(डाक-तार बोर्ड)

नई दिल्ली, 22 सितम्बर, 1979

सा० का० नि० 1253.—संविधान की धारा 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति ने भारतीय डाक तार सेवा और वित्त सेवा श्रेणी-1 (भर्ती) नियम, 1972 में आगे संशोधन करने के लिए, निम्न नियम बनाए हैं :—

1. (1) ये नियम, भारतीय डाक तार सेवा और वित्त सेवा श्रेणी-1 (भर्ती) संशोधन नियम, 1979 कहें जायेंगे।

(2) सरकारी गजट में उनके प्रकाशित होने की तारीख से वे प्रभाव में आएंगे।

2 भारतीय डाक तार सेवा और वित्त सेवा श्रेणी-1 (भर्ती) नियम 1972 (उनके बाद त्रिनया उपर्युक्त नाम होगा) में भाग 1 में नियम 2 के अनुच्छेद (उ) के स्थान पर निम्न अनुच्छेद प्रतिस्थापित किया जाएगा :—

(उ) “परीक्षा” का तात्पर्य है एक सम्मिलित प्रतियोगिता परीक्षा जिसमें एक प्राथमिक परीक्षा और एक मुख्य परीक्षा आयोग द्वारा सेवा या ऐसी सेवा या सेवाओं में भर्ती के लिए आयोजित की जाएगी जिन्हें समय-समय पर इस पक्ष से सरकार द्वारा विनिर्दिष्ट किया जाएगा।

3 उपरोक्त नियमों के भाग III में, नियम 10 में,—

(i) उपनियम (2) के स्थान पर निम्न उपनियम प्रतिस्थापित किया जाएगा :—

(2) आयु: जिस वर्ष में परीक्षा होती है उसके अगस्त की पड़ती तारीख को उम्मीदवार की आयु 21 वर्ष से कम और 28 वर्ष से अधिक नहीं होती चाहिए।

(ii) उप नियम 3 के परन्तुक (ग) के स्थान पर निम्न परन्तुक प्रतिस्थापित किया जाए :

(ग) एक उम्मीदवार जो उस परीक्षा में सम्मिलित हुआ है जिसे उत्तीर्ण करने पर वह आयोग की परीक्षा के लिए शैक्षिक रूप से योग्य माना जाएगा लेकिन परीक्षा का परिणाम उसे सूचित नहीं किया गया है तथा यह उम्मीदवार भी जो ऐसी योग्यता में सम्मिलित होना चाहता है प्राथमिक परीक्षा में प्रवेश के लिए तब तक हकदार ही रहेगा जो तारीख आयोग द्वारा अधिसूचित की गई है, उम्मीदवार को उस वर्ष की परीक्षा देने के लिए द्विती कोर्स उत्तीर्ण करने का प्रमाण प्रस्तुत करना होता है।

(iii) उप नियम (4) के स्थान पर निम्न उप नियम प्रतिस्थापित किया जाएगा :

(4) परीक्षा हेतु प्रयत्न उन उम्मीदवारों को छोड़ कर जो अनुसूचित/जनजाति से संबंधित हैं या समय-समय पर सरकार द्वारा अधिसूचित विशिष्ट अपवादों के अन्तर्गत आते हैं। किसी भी उम्मीदवार को एक परीक्षा में भाग लेने के लिए तीन बार से अधिक अनुमति नहीं दी जाएगी।

प्रावधान यह है कि अनुसूचित/जनजाति से संबंधित उम्मीदवारों के लिए जो अन्यथा योग्य हैं, प्रयत्नों की संख्या पर कोई प्रतिबंध नहीं है।

5. उक्त नियमों के भाग III में नियम 11 के स्थान पर निम्न नियम प्रतिस्थापित किया जाए :—

“प्रभावित करने का प्रयास: यदि आयोग ने यह घोषित कर दिया है कि कोई उम्मीदवार निम्न के लिए दोषी पाया गया है—

(1) किसी साधन से अपनी उम्मीदवारी के लिए सहायता प्राप्त की है; या

(2) छद्म रूप धारण किया है; या

(3) किसी व्यक्ति के द्वारा छद्म व्यक्तित्व की व्यवस्था की है; या

(4) जागीर दस्तावेज या रद्दीबदल किए दस्तावेज प्रस्तुत किए हैं; या

(5) गलत या झूठ विवरण दिए हैं या सूचना में तथ्यों को छिपाया है; या

(6) परीक्षा के लिए अपनी उम्मीदवारी के संबंध में अन्य अनियमित या अनुचित साधनों का सहारा लिया गया है; या

(7) परीक्षा के दौरान अनुसूचित साधनों का प्रयोग किया है; या

(8) उत्तर पुस्तिका(ओं) में असम्बद्ध विषय लिखा है जिसमें अश्लील भाषा या अश्लील विषय भी शामिल है; या

(9) परीक्षा भवन में किसी भी तरीके से दुर्व्यवहार किया है; या

(10) उनको परीक्षाओं को आयोजित करने के लिए आयोग द्वारा नियुक्त स्टाफ को पेशान किया है या शारीरिक क्षति पहुँचाई है; या

(11) पहले कहे गए अनुच्छेदों में निर्दिष्ट कार्यों में कोई एक/सभी कार्य किए हैं या करने का अवसर का प्रयत्न किया है।

तो अवसर के लिए मुकदमा चलाए जाने के साथ-साथ उसे—

(क) आयोग द्वारा उस परीक्षा से अयोग्य घोषित कर दिया जाएगा जिसका वह उम्मीदवार है।

(ख) स्थायी रूप से अथवा निरिच्छित अवधि के लिए बहिष्कृत किया जाएगा :

(i) आयोग द्वारा किसी भी परीक्षा या चुनाव से जो कि उनके द्वारा आयोजित किया गया है।

(ii) केन्द्र सरकार द्वारा उसके अधीन किसी भी रोजगार में

(ग) अगर वह पहले से ही सरकारी नौकरी में है तो उसके विरुद्ध निर्धारित नियमों के अन्तर्गत अनुशासनिक कार्यवाई की जाएगी।

6. उक्त नियमों के भाग III में नियम 13 को हटा दिया जाएगा।

[सं० 17-29/78 एस०ई०ए० (पी०टी०)]

रवि प्रकाश, निदेशक (वित्त-III)

MINISTRY OF COMMUNICATION

(P. & T. Board)

New Delhi, the 22nd September, 1979

G.S.R. 1253.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Indian Posts and Telegraphs Accounts and Finance Service, Class I (Recruitment) Rules, 1972, namely :—

1. (1) These rules may be called the Indian Posts and Telegraphs Accounts and Finance Service, Class I (Recruitment Amendment) Rules, 1979.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Indian Posts and Telegraphs Accounts and Finance Service, Class I (Recruitment) Rules 1972 (hereinafter referred to as the said rules), in Part I, for clause (e) of rule 2, the following clause shall be substituted, namely :—

(e) "Examination" means a combined competitive examination consisting of a Preliminary Examination and a Main Examination held by the Commission for recruitment to the Service and such other Service or Services as may be specified by the Government from time to time in this behalf.

3. In Part III of the said rules, in rule 10,

(i) for sub-rule (2) the following sub-rule shall be substituted, namely :—

(2) Age—A candidate must have attained the age of 21 years and must not have attained the age of 28 years on the first day of August of the year in which the examination is held.

(ii) for the proviso (c) to sub-rule 3, the following proviso shall be substituted, namely :—

"(c) A candidate who has appeared at an Examination the passing of which would render him educationally qualified for the Commission's examination but has not been informed of the result; as also the candidate who intends to appear at such qualifying examination will be eligible for admission to the Preliminary examination so long as by a date to be notified by the Commission, the candidate produces proof of pass in the degree course for being eligible to take the examination during that year."

(iii) for sub-rule (4) the following sub-rule shall be substituted, namely :—

(4) "Attempts at the examination—No candidate who does not belong to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe or who is not covered by any of the specified exceptions notified by the Government from time to time, shall be permitted to compete more than three times at the examination :

Provided that there will be no restrictions on the number of attempts for candidates belonging to the Scheduled Castes or Scheduled Tribes, who are other-wise eligible."

5. In Part III of the said rules, for rule 11, the following rule, shall be substituted, namely :—

"Attempt to influence—A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of—

(i) obtaining support for his candidature by any means, or

(ii) impersonating, or

(iii) procuring impersonation by any person ; or

(iv) submitting fabricated documents or documents which have been tampered with ; or

(v) making statements which are incorrect or false or suppressing material information ; or

(vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the examination, or

(vii) using unfair means during the examination; or

(viii) writing irrelevant matter, including obscene language or pornographic matter, in the scripts(s); or

(ix) misbehaving in any other manner in the examination hall ; or

(x) harassing or doing bodily harm to the staff employed by the Commission for the conduct of their examinations ; or

(xi) attempting to commit or as the case may be abetting the commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses ;

shall in addition to rendering himself liable to criminal prosecution, be liable—

(a) to be disqualified by the Commission from the Examination for which he is a candidate ; or

(b) to be debarred either permanently or for a specified period—

(i) by the Commission, from any examination or selection held by them ;

(ii) by the Central Government from any employment under them ; and

(c) if he is already in service under the Government, to disciplinary action under the appropriate rules."

6. In Part III of the said rule 13 shall be omitted.

[No. 17-29/78-SEA(Pt.)]

RAVI PRAKASH, Director (Finance-III)

श्रम मंत्रालय

नई दिल्ली, 17 सितम्बर, 1979

क्रा० का० वि० 1254.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, कोयला खान श्रम आवास और साधारण कल्याण निधि (वर्ग 3 और 4 पदों पर भर्ती), नियम 1960 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:—

1. (1) इन नियमों का नाम कोयला खान श्रम आवास और साधारण कल्याण निधि (वर्ग 3 और 4 पदों पर भर्ती) संशोधन नियम, 1979 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. कोयला खान श्रम आवास और साधारण कल्याण निधि (वर्ग 3 और 4 पदों पर भर्ती) नियम, 1960 के नियम 5 के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात्:—

“5 इन नियमों की कोई भी बात ऐसे आरक्षणों, आयु-सीमा से छूट और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी, जिनका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में समय-समय पर निकाले गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों तथा अन्य विशेष प्रवर्गों के व्यक्तियों के लिए उपबंध करना अपेक्षित है।”

3. कोयला खान श्रम आवास और साधारण कल्याण निधि (वर्ग 3 और 4 पदों पर भर्ती) नियम, 1960 की अनुसूची में, क्रम सं० 173 और उससे संबंधित प्रविष्टियों के पश्चात् निम्नलिखित क्रम सं० और प्रविष्टियाँ प्रकटस्थानों को जाएंगी, अर्थात्:—

1	2	3	4	5	6
174. फायर मैन	एक	साधारण केन्द्रीय सेवा, समूह “ब”	196-3-220-द० रो०-3-232 ब०	लागू नहीं होता	25 वर्ष प्रत्येक मामले में आयु-सीमा प्रवर्धित करने के लिए निर्णायक तारीख वह अंतिम तारीख होगी जिस तक रोजगार कार्यालय से नाम भेजने के लिए कहा गया है। टिप्पण:—सरकारी सेवकों के लिए शिथिल करके 35 वर्ष तक की जा सकती है।
7	8	9	10	11	12
प्राथमिक स्तर और वायलर परिचालन का प्रमाण पत्र होना चाहिए।	लागू नहीं होता	दो वर्ष	सीधी भर्ती	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता

[सं० ए-12018/8/77-एम-2]

जगदीश प्रसाद, प्रवर सचिव

MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 17th September, 1979

G.S.R. 1254.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Coal Mines Labour Housing and General Welfare Fund (Recruitment to Class III and Class IV posts) Rules, 1960, namely:—

1. (1) These rules may be called the Coal Mines Labour Housing and General Welfare Fund (Recruitment to Class III and Class IV posts) Amendment Rules, 1979.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

636 GI/79-6

2. In the Coal Mines Labour Housing and General Welfare Fund (Recruitment to Class III and Class IV posts) Rules, 1960, for rule 5, the following rule shall be substituted, namely:—

“5. Saving—Nothing in these rules shall affect reservations, relaxation of age limit and other concessions required to be provided for Scheduled Castes and Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.”

3. In the Schedule to the Coal Mines Labour Housing and General Welfare Fund (Recruitment to Class III and Class IV posts) Rules, 1960, after serial number 173 and the entries relating thereto, the following serial number and entries shall be inserted, namely:—

1	2	3	4	5	6
174. Fireman	One	General Central Service Group D	Rs. 196-3-220-E,B,-3-232.	Not applicable	25 years. (1) Relaxable upto 35 years in case of Government servants. (2) The crucial date for determining the age limit shall in each case be the last date upto which the Employment Exchanges are asked to submit names.
7	8	9	10	11	12
Primary Standard and must be in possession of a certificate of Boiler Attendantship	Not applicable	2 years	Direct recruitment	Not applicable	Not applicable

[No. A-12018/8/77-M.II]
JAGDISH PRASAD. Under Secy.

सां. कां. नि. 1255.—केन्द्रीय सरकार, उपदान संदाय अधिनियम 1972 (1972 का 39) की धारा-1 की उपधारा (3) के खंड (ग) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, ऐसे क्लबों को, जिनमें बस या अधिक व्यक्ति नियोजित हैं या पूर्ववर्ती बारह मास के दौरान किसी दिन नियोजित थे, ऐसे स्थापनों के वर्ग के रूप में विनिश्चित करती है जिन्हें उक्त अधिनियम इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से लागू होगा।

[फा० सं० एम०-70020/3/75-एफ०पी०जी०]
हंस राज छाबड़ा, उप-सचिव

G.S.R. 1255.—In exercise of the powers conferred by clause (c) of Sub-section (3) of section 1 of the Payment of Gratuity Act, 1972 (39 of 1972), the Central Government hereby specifies clubs in which ten or more persons are employed, or were employed, on any day of the preceding twelve months, as a class of establishments to which the said Act shall apply with effect from the date of publication of this notification in the Official Gazette.

[F. No. S-70020/3/75-FPG]

HANS RAJ CHHABRA, Dy. Secy.

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

नई दिल्ली, 28 सितम्बर, 1979

सा. का. नि. 1256.—केन्द्रीय सरकार, कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 642 की उपधारा (1) के खण्ड (क) और (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, ¹ कम्पनी (केन्द्रीय सरकार) साधारण नियम और प्ररूप, 1956 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का नाम कम्पनी (केन्द्रीय सरकार) साधारण नियम और प्ररूप (द्वितीय संशोधन) नियम, 1979 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. कम्पनी (केन्द्रीय सरकार) साधारण नियम और प्ररूप, 1956 के उपाबन्ध 'क' में, —

(1) प्ररूप 25-क में, मद 12 के पश्चात् निम्नलिखित मद अन्तःस्थापित की जाएगी, अर्थात् :—

“12-क. क्या प्रस्थापित प्रबन्ध/पूर्णकालिक निदेशक का पति या पत्नी अथवा पुत्र या पुत्री कम्पनी में या उसकी किसी समन्वयगी में अथवा उसी प्रबन्ध के अधीन या उसी समूह में की किसी अन्य कम्पनी में नियोजित है? यदि हाँ, तो उनमें से प्रत्येक के बारे में नियोजन, पारिश्रमिक आदि की विशिष्टियाँ दीजिए।” ;

(2) प्ररूप 25-ग में, मद 8 के पश्चात् निम्नलिखित मद अन्तःस्थापित की जाएगी, अर्थात् :—

“8-क. क्या प्रस्थापित प्रबन्ध/पूर्णकालिक निदेशक का पति या पत्नी अथवा पुत्र या पुत्री कम्पनी में या उसकी किसी समन्वयगी में अथवा उसी प्रबन्ध के अधीन या उसी समूह में की किसी अन्य कम्पनी में नियोजित है? यदि हाँ, तो उनमें से प्रत्येक के बारे में नियोजन, पारिश्रमिक आदि की विशिष्टियाँ दीजिए।” ;

¹[कम्पनी (केन्द्रीय सरकार) सामान्य नियम और फार्म 1956, भारत के राजपत्र असाधारण में सा. नि. आ. 432-क दिनांक 18-2-1956 को प्रकाशित हुए थे। फार्म 25-क और 25-ग सा. का. नि. 248(ड) दिनांक 23-3-1976 को प्रतिस्थापित किये गये थे और बाद में सा. का. नि. 627 दिनांक 5-5-1977 के द्वारा संशोधित और जो कि क्रमशः 24 मार्च, 1976 और दिनांक 14 मई, 1977 को भारत के

राजपत्र असाधारण और राजपत्र साधारण के भाग 2, खण्ड-3, उपखण्ड (1) में प्रकाशित किये गए थे।]

[फा. सं. 5/3/79-सी. एल. 5]

के. एन. रामचन्द्रन, उप सचिव

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY

AFFAIRS

(Department of Company Affairs)

New Delhi, the 28th September, 1979

G.S.R. 1256.—In exercise of the powers conferred by clauses (a) and (b) of sub-section (1) of section 642 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the¹ Companies (Central Government's General Rules and Forms, 1956, namely :—

1. (1) These rules may be called the Companies (Central Government's) General Rules and Forms (Second Amendment) Rules, 1979.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In Annexure 'A' to the Companies (Central Government's) General Rules and Forms, 1956,—

(i) in Form 25A, after item 12, the following item shall be inserted, namely :—

“12A. Whether the spouse or son or daughter of the proposed Managing/Whole-time Director is employed in the company or in any of its subsidiaries or in any other company under the same management or in the same group? If so, give particulars of employment, remuneration etc. in respect of each of them.”;

(ii) in Form 25C, after item 8, the following item shall be inserted, namely :—

“8A. Whether the spouse or son or daughter of the proposed Managing/Whole-time Director is employed in the company or in any of its subsidiaries or in any other company under the same management or in the same group? If so, give particulars of employment, remuneration etc. in respect of each of them.”.

¹[The Companies (Central Government's) General Rules and Forms, 1956 were published in the Gazette of India Extra-Ordinary dated the 18-2-1956 S.R.O. 432A dated the 18-2-1956. Forms 25A and 25C were substituted vide G.S.R. 248(E) dated the 23-3-1976 and later amended by G.S.R. 627 dated the 5-5-1977-Part II, Section 3, sub-section (i) of the Gazette of India Extra-ordinary dated the 24th March, 1976 and the Gazette of India dated the 14th May, 1977 respectively.]

[File No. 5/3/79-CL. V]

K. N. RAMCHANDRAN, Dy. Secy.

